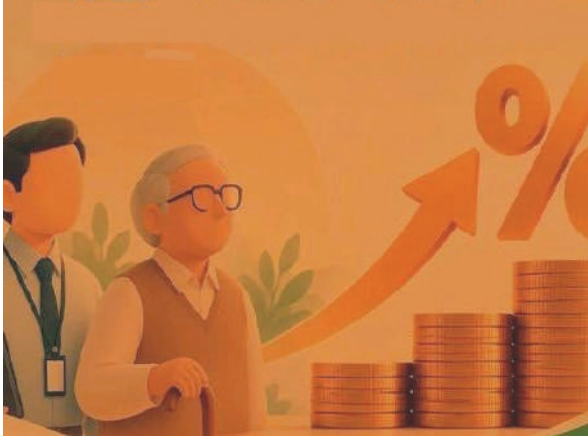




राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

कैबिनेट: केन्द्रीय कर्मियों और पेंशनभोगियों को दिवाली का उपहार, डीए-डीआर में 3% की बढ़ोत्तरी



एजेंसी, नई दिल्ली

केन्द्र के कर्मचारियों एवं पेंशनभोगियों को दिवाली को तोहफा मिला है। सरकार ने उनके महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में 3 प्रतिशत का इजाफा किया है। वृद्धि इस साल की 01 जुलाई से प्रभावी मानी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने आज इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय

मीडिया केन्द्र में पत्रकार वार्ता कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इससे 48.54 लाख कर्मचारियों और 68.71 लाख पेंशनभोगियों को लाभ मिलेगा। इससे सरकारी खजाने पर प्रतिवर्ष 10,016.10 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार पड़ेगा। वैष्णव ने कहा, “प्रधानमंत्री की ओर से 48 लाख केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनभोगियों के लिए दिवाली का उपहार है, जिसमें महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में वृद्धि की गई है।”

प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना' के लिए 7395 करोड़ की मंजूरी

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने देश में जमीनी स्तर पर शासन को मजबूत करने और गांवों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के लिए 7,395.55 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 'प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना' (पीएम वीजीएसवाई) को मंजूरी दी है। केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने आज पत्रकार वार्ता में बताया कि केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को इस परियोजना को मंजूरी दी है। वैष्णव ने कहा कि केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 7,395.55 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 2026-27 से 2030-31 के लिए केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना को मंजूरी दी है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने बताया कि केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 'प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना' (पीएम वीजीएसवाई) नामक एक केंद्र प्रायोजित योजना (सीएसएस) को मंजूरी दी है।

मंत्रिमंडल ने 10,000 करोड़ रुपये की कंटेनर विनिर्माण प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी

एजेंसी, नई दिल्ली

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को देश में कंटेनर विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 10,000 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली कंटेनर विनिर्माण प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी। वित्त वर्ष 2039-40 तक लागू रहने वाली इस योजना का उद्देश्य भारत में विश्वस्तरीय कंटेनर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना, आयात पर निर्भरता कम करना और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाना है। सरकार का अनुमान है कि इससे घरेलू कंटेनर उत्पादन क्षमता लगभग दस गुना बढ़कर सालाना 7.5 लाख टीईयू हो जाएगी और 53,000 से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए



कहा कि कंटेनर भारत और दुनिया के व्यापार का महत्वपूर्ण हिस्सा है। थोक वस्तुओं को छोड़कर निर्यात और आयात के लिए परिवहन किए जाने वाले लगभग सभी सामान कंटेनरों में ले जाए जाते हैं। इस भारी निर्भरता को देखते हुए शिपिंग लाइनों और शिपिंग कंपनियों लंबे समय से आग्रह कर रही हैं कि कोई दूसरा देश भी उभरे और कंटेनर विनिर्माण में मजबूत स्थिति स्थापित करे। प्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल द्वारा आज मंजूरी की गई कंटेनर विनिर्माण योजना को इस तरह तैयार किया गया है कि आने वाले वर्षों में भारत कंटेनर विनिर्माण के एक नए केंद्र के रूप में उभर सके।” मंत्री ने कहा कि इस योजना का कुल परिव्यय 10,000 करोड़ रुपये है और इसके चार घटक हैं।

तूफान अर्नब का तांडव पेड़ उखड़े, सड़कें डूबीं, जनजीवन अस्त-व्यस्त



एजेंसी, हैदराबाद

आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में बुधवार को तूफान अर्नब ने भारी बारिश और तेज हवाओं के साथ भीषण विनाशालीला मचाई। अनकापल्ली, विशाखापत्तनम, काकीनाडा और कोनसीमा जैसे कई जिलों में पेड़ जड़ से उखड़ गए, बिजली की लाइनें टूट गईं और सड़कें पानी में डूब गईं, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। समंदर में उठती दैत्य लहरों ने तटीय समुदायों में दहशत फैला दी है और प्रशासन को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के बुधवार सुबह 6:30 बजे जारी बुलेटिन के अनुसार, तूफान अर्नब का केंद्र आंध्र प्रदेश के तट के पास पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में लगभग एक ही जगह पर बना हुआ था। विभाग ने बताया कि लैंडफॉल की प्रक्रिया अगले दो घंटे तक जारी रहने का अनुमान था। उस समय तूफान नरसपुर से लगभग 30 किलोमीटर पूर्व में, यानस से करीब 45 किलोमीटर दक्षिण- दक्षिण-पश्चिम और काकीनाडा से लगभग 70 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम में स्थित था। तूफान की भीमी गति के कारण तटीय क्षेत्रों में खराब मौसम का असर लंबे समय तक बने रहने की आशंका है। तेज हवाओं और मूसलाधार बारिश ने तटीय जिलों में भयंकर तबाही मचाई है। कई स्थानों पर पेड़ और बिजली के खंभे गिरने से व्यापक बिजली कटौती हुई और सड़क यातायात बाधित हो गया। उत्तर चेन्नई के एन्नोर इलाके के वॉडियो में समुद्र का पानी सड़कों पर भरता दिखाई दिया, जिससे

सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। विशाखापत्तनम में भी कुछ लोग समुद्र के उग्र रूप को देखने के लिए तट के पास जमा हुए, हालांकि प्रशासन ने लोगों को समुद्र से दूरी बनाए रखने की सख्त सलाह दी है, क्योंकि खराब मौसम में तट के पास जाना जानलेवा जोखिम भरा हो सकता है। तूफान और खराब मौसम के चलते हवाई यात्रा भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। प्रमुख एयरलाइंस ने कई उड़ानें रद्द कर दी हैं और यात्रियों से हवाई अड्डे के लिए निकलने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति जांचने को कहा है। आंध्र प्रदेश के 15 जिलों – बापटला, गुंटूर, कृष्णा, एनटीआर, एलुवर, पश्चिम गोदावरी, कोनसीमा, पूर्वी गोदावरी, काकीनाडा, अन्तूरु, अनकापल्ली, विशाखापत्तनम, विजयनागम, श्रीकाकुलम और पार्वतीपुरम मान्यम में अचानक बाढ़ आने की गंभीर आशंका जताई गई है। विजयवाड़ा और आसपास के इलाकों में भारी बारिश से सड़कें जलमग्न हो गई हैं, वहीं अमलपुरम में भी तेज हवाओं और बारिश ने जनजीवन को प्रभावित किया है। मौसम विभाग ने लोगों से जरूरी काम के बिना घर से बाहर नहीं निकलने और पेड़ों तथा विद्युत के खंभों से दूर रहने की अपील की है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए व्यापक तैयारियों का निर्देश दिया है। राज्य में 2,199 तूफान राहत केंद्रों की पहचान की गई है और 14 जिलों में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की 12 तथा राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की 10 टीमें तैनात की गई हैं।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 30 अक्टूबर को सार्वजनिक महाभियोग कार्यक्रम करेगा इंडी गटबंधन

एजेंसी, नई दिल्ली

विपक्षी इंडी गटबंधन ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 30 अक्टूबर को सार्वजनिक महाभियोग कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि अन्य जगहों पर अनुमति नहीं मिलने के बाद यह कार्यक्रम शूक्रवार को दोपहर 3:30 बजे नई दिल्ली के 10 राजाजी मार्ग पर आयोजित किया जाएगा। जयराम रमेश ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर संविधान की भावना और



उसके प्रावधानों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार ने सुनियोजित तरीके से चुनावी लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव को कमजोर किया है। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के सभी संबंधित सदस्यों को पत्र लिखकर इस कार्यक्रम में शामिल

होने के लिए कहा था। कांग्रेस की योजना शुरुआत में इस कार्यक्रम को बड़े स्तर पर आयोजित करने की थी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल के अनुसार, पार्टी मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्यक्रम आयोजित करना चाहती थी लेकिन इसके लिए जगह तय करने में अड़चन आई। केसी वेणुगोपाल ने कहा था कि अशंका होटल में कार्यक्रम की अनुमति मिलने के बाद पुलिस के हस्तक्षेप से होटल प्रबंधन ने अपने परिसर में आयोजन से इनकार कर दिया। इसके बाद रामलीला मैदान में कार्यक्रम करने की योजना बनाई गई। कांग्रेस के अनुसार,

25 अक्टूबर से 3 नवंबर तक मैदान की बुकिंग की मांग के बावजूद 30 अक्टूबर को कार्यक्रम की अनुमति नहीं मिली। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को स्पष्ट किया था कि उसने 01 नवंबर को रामलीला मैदान में होने वाली इंडी गटबंधन की रैली की अनुमति वापस नहीं ली है। पुलिस के अनुसार, कार्गु-व्यवस्था के दृष्टिकोण से रैली के लिए अनापति प्रमाणपत्र (एनओसी) दिया गया है। आधिकारिक सूचना के मुताबिक, यह एनओसी मैदान के मालिक प्राधिकरण से पूर्व अनुमति लेने की शर्त पर जारी किया गया था।

मतपत्र से हुए एमएलसी चुनावों में कांग्रेस का खाता नहीं खुला, मोदी ने कसा तंज

एजेंसी, नई दिल्ली



प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक में विधान परिषद की 28 सीटों के चुनाव में कांग्रेस के एक भी सीट नहीं जीतने को लेकर बुधवार को पार्टी पर तंज कसा। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, “चार बड़े राज्यों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक में विधान परिषद की 28 सीटों पर चुनाव हुए। चुनाव मतपत्रों के जरिए कराए गए। अंदाजा लगाए कि

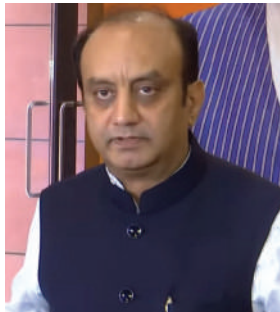
कांग्रेस ने कितनी सीटें जीती?” प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब विपक्षी दल इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहे हैं। मतपत्रों से हुए चुनाव का उल्लेख करते हुए मोदी ने कांग्रेस के प्रदर्शन पर सवाल उठाया।

राहुल गांधी पर सुधांशु त्रिवेदी का निशाना, बोले- जनता का समर्थन मेहनत से मिलता है, घूमने-फिरने से नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वाला आंदोलन चलाने की बात कहे जाने पर गहरा अफसोस जताते हुए आज कहा कि जब जनता एवं विधायक उनका साथ छोड़ चुके हैं और उनकी राजनीति को जनता का समर्थन नहीं मिल रहा है तो उन्हें समझ लेना चाहिए कि वह पूरी तरह से नाकाम हो चुके हैं। भाजपा के प्रवक्ता एवं सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि विदेश यात्रा से लौटने के बाद राहुल गांधी भारत

की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले आंदोलन की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को यह समझना चाहिए कि जनता और विधायक उनके साथ नहीं हैं। त्रिवेदी ने दावा किया कि राहुल गांधी की राजनीतिक गतिविधियों को जनसमर्थन नहीं मिल रहा है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, “राहुल गांधी करीब दो हफ्ते सैर-सपाटा और तफरीह करने के बाद अब भारत की अर्थव्यवस्था में समस्याएं पैदा करने के लिए आंदोलन की बात कर रहे हैं। लेकिन न जनता उनके साथ है, न विधायक। उन्हें समझना चाहिए कि वह पूरी तरह नाकाम साबित हो चुके हैं। जनसमर्थन मेहनत



से मिलता है, सैर-सपाटा करने से नहीं।” भाजपा सांसद ने राहुल गांधी की राजनीतिक सक्रियता पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें जमीनी स्तर पर काम करने और जनता के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने की जरूरत

है। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी जो कुछ करने की कोशिश कर रहे हैं, उसमें उन्हें सफलता नहीं मिल रही है। त्रिवेदी ने भाजपा के संगठनात्मक कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी प्रदेश के तौर पर जा रहे हैं, जबकि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह पंजाब में हैं। इसके विपरीत, उन्होंने राहुल गांधी की यात्रा को लेकर तंज करना। सुधांशु त्रिवेदी ने अपने बयान में 'चंपा' का उल्लेख करते हुए कहा कि चंपा वियतनाम का एक प्रदेश है और राहुल गांधी वहां घूम रहे थे। इस टिप्पणी के जरिए उन्होंने राहुल गांधी की यात्रा पर कटाक्ष किया।

आजम खान से जुड़े जौहर विश्वविद्यालय की 426.46 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

एजेंसी, नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन के मामले में उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहम्मद आजम खान से जुड़े रामपुर स्थित मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय की 426.46 करोड़ रुपये की जमीन और इमारतों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। कुर्क संपत्ति का मौजूदा बाजार मूल्य करीब 1,170 करोड़ रुपये आंका गया है। ईडी के लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय ने यह कार्रवाई धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की है। ईडी के अनुसार, विश्वविद्यालय का परिसर रामपुर के सिंहरखेड़ा गांव स्थित जौहर नगर में है। यह मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट के अधीन है। ट्रस्ट की स्थापना आजम खान ने की थी और वे विश्वविद्यालय के मानद कुलाधिपति भी हैं। एजेंसी ने ट्रस्ट, आजम खान और अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज मामले की जांच के आधार पर यह कार्रवाई की है। ईडी ने बताया कि रामपुर के अजीम नगर थाने में दर्ज 26 प्रार्थमिकी के आधार पर जांच शुरू की गई थी। इनमें किसानों की कृषि भूमि जब्त लेकर विश्वविद्यालय के लिए इस्तेमाल करने के आरोप लगाए गए थे। रामपुर जिला प्रशासन की जांच रिपोर्ट के अनुसार, सिंहखेड़ा गांव में शत्रु संपत्ति के 45 भूखंडों, जिनका क्षेत्रफल करीब 34 एकड़ है, पर भी विश्वविद्यालय के लिए अवैध कब्जे का आरोप था।

मप्र से राज्यसभा जाएंगे केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी, भाजपा ने घोषित किया उम्मीदवार

एल. मुरुगन के इस्तीफे के बाद रिक्त सीट पर उपचुनाव के लिए 12 नवंबर को होगा मतदान

एजेंसी, भोपाल



भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मध्य प्रदेश से राज्यसभा की एक रिक्त सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को उम्मीदवार बनाया है। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने बुधवार को उनके नाम की घोषणा कर दी है। भाजपा ने एक बयान में कहा कि पार्टी की केन्द्रीय चुनाव समिति ने उपचुनाव के लिए पुरी के नाम को मंजूरी दे दी है। इस उपचुनाव में मध्य प्रदेश विधानसभा के विधायक राज्यसभा सदस्य का चुनाव करेंगे। उप निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन पत्र विधानसभा भवन, भोपाल स्थित रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय में जमा किए जा सकते हैं। यह सीट केंद्र में मंत्री रहे डॉ. एल. मुरुगन के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। उन्होंने इसी माह 14 अक्टूबर को केन्द्रीय मंत्रिपरिषद और राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद निर्वाचन आयोग ने इस रिक्त के सीट के लिए उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित किया था। जारी कार्यक्रम के अनुसार, इस सीट पर 12 नवंबर को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगा और इसके बाद उसी दिन शाम पांच

बजे मतगणना होगी। उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 26 अक्टूबर से शुरू हो चुकी है। उम्मीदवार 2 नवंबर तक नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 3 नवंबर को होगी, जबकि नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 5 नवंबर निर्धारित की गई है। मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा में राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए सामान्य स्थिति में 116 मतों का कोटा है। हालांकि, कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा मतदान में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। ऐसे में 229 विधायकों के आधार पर चुनावी गणित तय होगा और जीत का कोटा निर्धारित नियमों के अनुसार तय किया जाएगा। हरदीप सिंह पुरी भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व राजनयिक और लेखक हैं। उनका जन्म 15 फरवरी 1952 को दिल्ली में हुआ था। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज से इतिहास में स्नातक और स्नातकोत्तर की पढ़ाई की। वह 1974 बैच के भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी रहे हैं और करीब 39 वर्षों तक राजनयिक के रूप में काम किया।

मुंबई और गुजरात में 11 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित धन की जांच

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुंबई जोनल कार्यालय-1 ने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत मुंबई और गुजरात में करीब 11 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई अपराध से अर्जित आय (पीओसी) का पता लगाने और उसके आगे किए गए हस्तांतरण तथा वित्तीयों की जांच के लिए की गई। ईडी के अनुसार, नविन गुरुनाथ चिचकर और अन्य आरोपितों ने एक स्थापित अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के माध्यम से मादक पदार्थों की बिक्री से अपराध से अर्जित आय जुटाई। इसमें कोकीना, हाइड्रोपोनिक गांजा, एलएसडी और गांजे से बने खतरा पदार्थ शामिल हैं। इन मादक पदार्थों की अधिकांश खेप भारत के बाहर से

तस्करी के जरिए लाई जाती थी। ईडी ने बताया कि नविन चिचकर और अन्य के खिलाफ पीएमएलए के तहत जांच नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), मुंबई और नवी मुंबई पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल (एएनसी) द्वारा दर्ज मामलों के आधार पर शुरू की गई। इन मामलों में मुंबई और नवी मुंबई में उच्च गुणवत्ता वाले हाइड्रोपोनिक गांजे, कोकीना और बेहिसाब नकदी की बड़ी मात्रा जब्त की गई थी। जांच के दौरान सामने आया कि नविन चिचकर ने अपराध से अर्जित धन का एक हिस्सा क्रिप्टोकॉर्रेसी में निवेश किया। यह भी पता चला कि मादक पदार्थों की बिक्री से प्राप्त रकम सीधे हवाला संचालकों के पास जमा की जाती थी। बाद में हवाला संचालक नविन चिचकर को यूएसडीटी या थाई बहत के रूप में भुगतान करते थे।

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर वसूली करने वालों से सख्ती से निपटे जाने की जरूरत: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि डिजिटल अरेस्ट के जरिए जब्त वसूली करने वाले लोगों के साथ सख्ती से निपटा जाना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने इन साइबर अपराधों को डिजिटल डैकेटी जताई कि ये संगठित साइबर गिरोह विशेष रूप से बुजुर्गों और सेवानिवृत्त लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं और उनकी जीवनभर की कमाई छीन रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि कानून में कोई ऐसा प्रावधान या गुंजाइश हो, जिससे इन 'बैरहम अपराधियों' को टायल से पहले ही दंडित किया जा सके तो उसे भी अपनाया जाना चाहिए। न्यायालय ने दो आरोपितों (गौरव कुमार साह और निधि भंडारी) की उस



याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने देश के 12 राज्यों में दर्ज 35 अपराधिक मामलों को एक जगह (दिल्ली) ट्रांसफर करने की मांग की थी। न्यायालय ने कहा कि आरोपित अपनी सुविधा के लिए पौड़ितों को दिल्ली आने पर मजबूर नहीं कर सकते। आरोपित की सुविधा का अधिकार पौड़ितों और जांच एजेंसियों के अधिकारों से ऊपर नहीं हो सकता। इसके बाद याचिकाकर्ताओं के वकील ने न्यायालय के सख्त रुख को देखते हुए याचिका वापस ले ली।

अवमानना मामले में संजय राजत की मुश्किलें बढ़ीं, सुप्रीम कोर्ट ने दिया हाजिर होने का आदेश

एजेंसी, नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय ने शिवसेना उद्वग ठाकरे गृट के राज्यसभा सांसद संजय राजत को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायाधिका के बारे में दिए गए उनके बयानों को लेकर न्यायालय की अवमानना के मामले में 17 नवंबर को न्यायालय में सशरीर पेश होने का निर्देश दिया है। जस्टिस अरविंद कुमार की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये आदेश दिया। न्यायालय ने पत्रकार निखिल वागले को न्यायालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पेश होने का आदेश दिया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने 16 अक्टूबर को अवमानना नोटिस जारी करने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की याचिका पर न्यायालय ने वागले और राजत से जवाब मांगा था कि उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही क्यों न शुरू की जाए। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा था कि अदालतें व्यक्तिगत स्वतंत्रता या अन्य अधिकारों की रक्षा करने में कभी पीछे नहीं रही हैं, इसलिए इस संस्था पर इस तरह के हमले होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। जब भी व्यक्तिगत स्वतंत्रता या किसी अन्य अधिकार पर खतरा आया है, तो लोग हमेशा मदद के लिए अदालत के पास आए हैं।

झारखंड में 5 थाना-ओपी भवन बनेंगे, 13.86 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रस्ताव

राष्ट्रीय मुख्याधारा

देवघर, पाकुड़, रांची, जमशेदपुर और गिरिडीह में थाना और ओपी भवनों के निर्माण की तैयारी, टेल्को में बनेगा स्मार्ट थाना

रांची : झारखंड में पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पांच थाना और ओपी भवनों के निर्माण की योजना तैयार की गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के तहत देवघर, पाकुड़, रांची, पूर्वी सिंहभूम और गिरिडीह में इन भवनों के निर्माण पर कुल 13 करोड़ 86 लाख 74 हजार 300 रुपये खर्च करने का प्रस्ताव है। गृह, कारा एवं आपदा

प्रबंधन विभाग ने योजनाओं की प्रशासनिक स्वीकृति के लिए प्रधान महालेखाकार, झारखंड को प्रस्ताव भेजा है। योजना के तहत देवघर के पथरील में थाना भवन, पाकुड़ के रद्दीपुर में ओपी भवन, रांची के गोंदा में यातायात थाना भवन, जमशेदपुर के टेल्को में स्मार्ट थाना भवन और गिरिडीह के गुनियाथर में ओपी भवन का निर्माण किया जाएगा। इनमें सबसे अधिक 5 करोड़ 44 लाख 34 हजार रुपये टेल्को के स्मार्ट थाना भवन पर खर्च करने का प्रस्ताव है। देवघर के पथरील थाना भवन के लिए 3 करोड़ 17 लाख 99 हजार 900 रुपये, रांची के गोंदा यातायात



थाना भवन के लिए 2 करोड़ 4 लाख 75 हजार रुपये, पाकुड़ के रद्दीपुर ओपी भवन के लिए 1 करोड़ 59 लाख 83 हजार 400 रुपये और गिरिडीह के गुनियाथर ओपी भवन के लिए 1 करोड़ 59 लाख 82 हजार रुपये का प्राक्कलन तैयार किया गया है। विभागीय पत्र के अनुसार, झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, रांची ने अनुमोदित नक्शा, तकनीकी प्रतिवेदन, तकनीकी स्वीकृति प्राप्त प्राक्कलन और विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन

(डीपीआर) प्रस्तुत किया है। निर्माण लागत का आकलन निर्धारित सरकारी दरों और तकनीकी मानकों के आधार पर किया गया है। इस प्रक्रिया में पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, झारखंड के कार्यालय के 29 जून 2026 के पत्र का भी उल्लेख किया गया है। प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बाद आगे की वित्तीय और विभागीय प्रक्रियाएं पूरी कर निर्माण कार्य शुरू करने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। नए भवनों से पुलिसकर्मियों को बेहतर कार्यस्थल और संबंधित क्षेत्रों में पुलिस व्यवस्था को सुविधाजनक बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।



निर्माण और बिक्री के साथ नकली शराब तैयार करने वाली इकाइयों पर भी कार्रवाई करना है। ड्रोन से जुटाई गई तस्वीरों और वीडियो कमांड सेंटर तक पहुंचाए जाएंगे। वहां से संबंधित अधिकारियों को जानकारी भेजी जाएगी, जिसके आधार पर संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की जा सकेगी। इससे

कार्रवाई की योजना बनाने और जरूरत के अनुसार टीम भेजने में मदद मिलने की उम्मीद है। उत्पाद विभाग इस व्यवस्था को राज्य के सभी जिलों में लागू करने की तैयारी कर रहा है। फिलहाल चुटूपालू में इसका परीक्षण किया गया है। ट्रायल के नतीजों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

अवैध पार्किंग के खिलाफ बोकारो में चला ट्रैफिक पुलिस का डंडा, 36 वाहनों का हजारों का चालान

राष्ट्रीय मुख्याधारा

नियमों की अवहेलना और बार-बार गलती करने वालों पर कसेगा शिकंजा : डीएसपी



बोकारो : बोकारो की सड़कों पर यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए जिला पुलिस ने अब कमर कस ली है। पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा के सख्त दिशा-निर्देशों के तहत ट्रैफिक डीएसपी अजय प्रसाद के नेतृत्व में यातायात थाना प्रभारी और पुलिस बल ने सड़क पर उतरकर एक बेहद कड़ा और व्यापक विरोध अभियान चलाया। इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से सड़क किनारे बेतरतीब वाहन खड़ा करने वाले चालकों में हड़कंप मच गया है। बुधवार को यह विशेष अभियान एएच-32 स्थित आईटीआई मोड़ से लेकर तालगढ़िया मोड़ तक मुख्य मार्ग पर चलाया गया, जहां आए दिन अवैध पार्किंग के कारण लंबा जाम लगता था। ट्रैफिक पुलिस ने इस दौरान सड़क पर अनाधिकृत और

अवैध रूप से पार्क किए गए कुल 36 भारी व अन्य वाहनों को धर दबांचा। नियमों की धजियां उड़ाने वाले इन वाहन चालकों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कुल 23,400 रुपये का भारी-भरकम जुर्माना वसूला गया। मीडिया से मुखातिब होते हुए ट्रैफिक डीएसपी अजय प्रसाद ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो वाहन चालक बार-बार चालान कटने के बावजूद जुर्माना राशि जमा करने से करारा रहे हैं, ऐसे लापरवाह वाहन मालिकों

और वाहनों को अब चिह्नित कर ब्लैकलिस्टेड करने की सख्त अग्रत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। यातायात पुलिस के इस दमदार रुख से साफ है कि बोकारो में अब सड़क पर अवैध कब्जा या मनमानी पार्किंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन की इस मुस्तेदी से शहर के मुख्य मार्गों पर ट्रैफिक जाम की समस्या से जूझ रहे आम नागरिकों ने बड़ी राहत की सांस ली है, वहीं वाहन चालकों को भविष्य में सड़क पर अवैध रूप से गाड़ियां खड़ी न करने की कड़ी हिदायत दी गई है।

सड़क निर्माण का बिल पास करने के लिए 9 हजार रिश्तत लेते पंचायत सेवक गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्याधारा | जितेन्द्र कुमार



हजारीबाग : भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसबी), हजारीबाग की टीम ने बुधवार को केरेडारी प्रखंड की कराली पंचायत के पंचायत सचिव तालेश्वर राम को 9 हजार रुपये रिश्तत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई एक सड़क निर्माण योजना की बकाया राशि के भुगतान के एवज में कथित तौर पर रिश्तत मांगने के मामले में की गई। एसबीबी के ओम से जारी जानकारी के अनुसार, केमो गांव निवासी 78 वर्षीय दिगेश्वर पांडेय ने पंचायत सचिव के खिलाफ रिश्तत मांगने की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया कि पिछले 15वें वित्त आयोग की योजना के तहत केरेडारी प्रखंड के केमो गांव में कालीकरण पीसीसी रोड से देवी मंडप तक पीसीसी पथ का निर्माण स्वीकृत हुआ था। योजना संख्या 26/2024-25 के तहत इसकी प्राक्कलित राशि 3 लाख 38 हजार रुपये थी।

शिकायतकर्ता के अनुसार, योजना के तहत करीब 2 लाख 84 हजार रुपये का भुगतान हो चुका था। शेष राशि के भुगतान के लिए पंचायत सचिव से अनुरोध करने पर कथित रूप से 9 हजार रुपये रिश्तत की मांग की गई। शिकायतकर्ता रिश्तत नहीं देना चाहते थे, इसलिए उन्होंने एसबीबी से इसकी शिकायत की। मामले का विधिवत सत्यापन कराया गया, जिसमें रिश्तत मांगने का आरोप सही पाया गया। इसके

बाद 27 अक्टूबर 2026 को एसबी थाना, हजारीबाग में कांड संख्या 11/2026 दर्ज किया गया। बुधवार को दंडाधिकारी और दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में गठित टैप टीम ने कार्रवाई करते हुए पंचायत सचिव को शिकायतकर्ता से 9 हजार रुपये लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। एसबीबी के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

चतरा में 'ऑपरेशन क्लीन' का बड़ा प्रहार, एक करोड़ का गांजा जब्त, पुलिस देख भागे तस्क़र

राष्ट्रीय मुख्याधारा



चतरा : पुलिस ने नशा तस्क़रों के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन क्लीन' के तहत एक बार फिर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने अंतर्राज्यीय गिरोह के मंसूबों पर पानी फेरते हुए करीब 1 करोड़ रुपये का अवैध गांजा जब्त किया है। एसपी अनिमेष नैथानी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर एसडीपीओ सत्री वर्धन के नेतृत्व में चलाए जा रहे वाहन चेकिंग के दौरान सफलता मिली है।

सदर थाना में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसडीपीओ सदर सत्री वर्धन ने बताया कि एसपी के निर्देश पर चतरा-जोरी मुख्य मार्ग पर स्थित डाढ़ा मोड़ के पास एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। तभी एक सफेद रंग की कार तेजी से चतरा शहर की ओर आती दिखी। पुलिस ने जब उसे रुकने का इशारा किया, तो चालक पुलिस को चकमा देकर गाड़ी भगाने लगा, जिसके बाद चेकिंग टीम ने तत्काल वाहन का पीछा किया। खुद को धिरता देख अंतर्राज्यीय गिरोह के तस्क़र ग्राम सिक्किंद नदी के किनारे गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। उन्होंने बताया कि भागे हुए अपराधियों की कार (रजिस्ट्रेशन नंबर UP14 CF 5803) की जब तलाशी ली गई, तो कार के भीतर से गांजा के कुल 82 पैकेट बरामद किए गए, जिसका कुल वजन 164 किलोग्राम है। पुलिस ने नशीले पदार्थ के साथ तस्क़रों में प्रयुक्त कार को भी जब्त किया है, साथ ही मामले में सदर थाना में कांड दर्ज कर तस्क़रों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सत्री वर्धन ने बताया कि एसपी अनिमेष नैथानी को जिला में भारी मात्रा में नशीले पदार्थों की खेप आने की सूचना मिली थी। इसी आधार पर त्वरित कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि बरामद गांजे की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब एक करोड़ रुपये आंकी गई है। यह एक अंतर्राज्यीय गिरोह का काम है। फरार तस्क़रों को चिन्हित कर लिया गया है और जल्द ही वे सलाखों के पीछे होंगे। एसडीपीओ ने बताया कि छापेमारी दल में सदर थाना प्रभारी अनिल उरांव, एएसआई सफिक अंसारी समेत सदर थाना पुलिस और सरासन्न बल के जवान शामिल थे। एसडीपीओ ने कहा कि सीसी भी सूत में तस्क़रों के मंसूबों को कामयाब नहीं होने दिया जाएगा। एसपी के नेतृत्व में चतरा पुलिस की टीम लगातार नशे के कारोबारियों पर नकेल कस रही है। इसी का असर है कि करीब 1 करोड़ रुपए का प्रतिबंधित गांजे की खेप पकड़ी गई है। उन्होंने बताया कि गाड़ी मालिक की पहचान कर ली गई है, फरार तस्क़रों और गाड़ी मालिक की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

राष्ट्रीय मुख्याधारा | बृजराज सिंह

जमशेदपुर : शहर के कदमा थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से एक लोडेड देशी कट्टा, दो गोलियां और एक सफेद रंग का आईफोन बरामद किया गया है। पुलिस को आशंका है कि दोनों युवक किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की तैयारी में थे। गिरफ्तार आरोपियों में से एक का पूरा हूँ में भी अपराधिक इतिहास रहा है। गिरफ्तार युवकों की पहचान रामजनम नगर काली मंदिर रोड स्थित समीर नाग उर्फ आदित्य नाग (20 वर्ष) और भाटिया बस्ती रोड नंबर-12, राज बिहारी पथ निवासी शुभम कुम्हार (19 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 27 अक्टूबर की रात गुप्त सूचना मिली थी कि समीर नाग अपने एक साथी के साथ किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की तैयारी कर रहा है और उसके पास अवैध देशी कट्टा है। सूचना के



आधार पर वरीय पुलिस अधीक्षक और नगर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कदमा थाना प्रभारी के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी दल रामजनम नगर स्थित समीर नाग के आवास पर पहुंचा, जहां कमरे में दोनों युवक बैठे मिले। पुलिस को देखकर दोनों



घबरा गए। इसके बाद पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर नियमानुसार तलाशी ली। तलाशी के दौरान समीर नाग की पैंट की बाई जेब से एक सफेद रंग का आईफोन बरामद हुआ। पुलिस के मुताबिक, समीर की निशानदेही पर रसाईंघर में बर्तनों की ट्रे में छिपाकर रखा गया एक देशी कट्टा और एक गोली बरामद की गईं। वहीं, शुभम कुम्हार के ट्राउजर की बाई जेब से भी एक गोली मिली। पुलिस ने बताया कि समीर नाग उर्फ आदित्य नाग के खिलाफ पहले भी कदमा थाना में मामला दर्ज है।

एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाले गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्याधारा | राजीव रंजन



धनबाद के सिटी सेंटर के पास एटीएम से छेड़छाड़ कर रहे थे आरोपी, दूसरे के खाते से उड़ाए रुपये

धनबाद : धनबाद थाना क्षेत्र के सिटी सेंटर के पास एटीएम मशीन से छेड़छाड़ कर ठगी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिहार के नवादा जिले के नितेश कुमार (26) और सौरभ कुमार (24) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से बाटा कंपनी की तीन जोड़ी चप्पल बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 27 अक्टूबर की शाम करीब सात बजे सूचना मिली कि सिटी सेंटर के पास स्थित एटीएम में छेड़छाड़ कर ठगी करने वाले दो लोगों को पकड़ा गया है। सूचना के सत्यापन के लिए धनबाद थाना की गश्ती टीम मौके पर पहुंची। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम से रुपये निकालने गया था। इसी दौरान उसका एटीएम कार्ड मशीन में फंस गया। पीछे खड़े एक व्यक्ति ने उसे गुप्त पिन डालने की सलाह दी। इस दौरान आरोपी ने उसका पिन देख लिया। कार्ड मशीन से बाहर नहीं निकलने पर आरोपी ने शिकायतकर्ता को हेल्पलाइन नंबर 7665097917 पर कॉल करने को कहा। शिकायतकर्ता जब पेट्रोल पंप के

पास पहुंचा तो वहां कोई व्यक्ति नहीं मिला। वापस एटीएम के पास आने पर उसने देखा कि मशीन में न तो उसका कार्ड था और न ही वहां कोई व्यक्ति मौजूद था। कुछ समय बाद उसके मोबाइल पर 15 हजार रुपये की निकासी का संदेश आया। इसके बाद रानी सती ज्वेलर्स से 32,800 रुपये की निकासी का संदेश मिला। ठगी का पता चलने पर शिकायतकर्ता अपने परिचितों के साथ रानी सती ज्वेलर्स पहुंचा और दुकानदार से पूछताछ की। दुकानदार ने बताया कि दो व्यक्ति आए थे, जिनमें एक हाफ पैंट और दूसरा जींस पहने हुए था। दोनों खरीदारी कर दुकान से निकल गए थे। इसी दौरान शिकायतकर्ता के मोबाइल पर बाटा इंडिया दुकान से दो हजार रुपये की निकासी का संदेश आया। इसके बाद वह अपने साथियों के साथ बाटा इंडिया दुकान पहुंचा।

रांची में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम, 236 आवेदन मिले; 184 का मौके पर निपटारा

राष्ट्रीय मुख्याधारा



रांची : जिले के विभिन्न थानों और ओपी में बुधवार को आयोजित जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में कुल 236 आवेदन मिले। इनमें से 184 शिकायतों का मौके पर ही निप्यादन कर दिया गया, जबकि 42 मामले लंबित हैं, जिनकी जांच की जा रही है। कार्यक्रम के दौरान पुलिस के वरीय अधिकारियों, डीएसपी और थाना प्रभारियों ने लोगों से सीधे मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और कार्रवाई की। जमीन विवाद, छेड़खानी, चोरी और मारपीट जैसे मामलों में एएसएसपी के निर्देश पर त्वरित संचालन लिया गया। शिकायतों के आधार पर विभिन्न थानों में कुल 10 प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू

की गई। सुखदेवनगर थाना में 12 आवेदन मिले, जिनमें आठ का निप्यादन किया गया। यहां कांड संख्या 352/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज हुई। सदर थाना में नौ आवेदनों में छह, डोरंडा थाना में आठ में से सात और लालपुर थाना में सात में से पांच आवेदनों का निपटारा किया गया। लालपुर में दो प्राथमिकी दर्ज की गई।



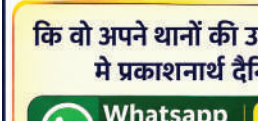
झारखंड के सभी पुलिस पदाधिकारियों से अनुरोध

राष्ट्रीय मुख्याधारा



अभिरक्षक

अभिरक्षक और अभिवार का उद्घाटन



अभिरक्षक

अभिरक्षक और अभिवार का उद्घाटन



अभिरक्षक

अभिरक्षक और अभिवार का उद्घाटन



अभिरक्षक

अभिरक्षक और अभिवार का उद्घाटन



अभिरक्षक

अभिरक्षक और अभिवार का उद्घाटन



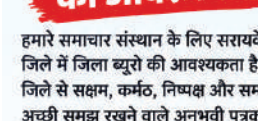
अभिरक्षक

अभिरक्षक और अभिवार का उद्घाटन



अभिरक्षक

अभिरक्षक और अभिवार का उद्घाटन



अभिरक्षक

अभिरक्षक और अभिवार का उद्घाटन

मुवाला से भी प्रबंधन की दृष्टि से जाली और पाइप भी लगा दिए गए हैं, हालांकि अभी नीचे की ढलाई का कुछ हिस्सा शेष है जिसे जल्द पूरा किया जाना है।

गौरतलब है कि बोकारो थर्मल से कथारा की ओर जाने वाले इस महत्वपूर्ण पैदल मार्ग का लगभग 20 मीटर हिस्सा चार साल से अधिक समय से भगवान चर्मसे छोड़ा गया था। यहां निचली और साइड की ढलाई न होने के कारण ढलाई के लिए बांधकर छोड़ा गया लोहे का सरिया धूप और बारिश के संपर्क में आकर पूरी तरह से जंग खा रहा था। सबसे हैरान करने वाली विवर्धना यह थी कि इस आरओबी के विभिन्न हिस्सों का अलग-अलग समय पर तीन बार भव्य

डीवीसी के कंस्ट्रक्शन को का औद्योगिक कार्य अभूतपूर्व कंपनी के ओर लापर अविश्वसनीय दिया था। परिणाम है कर्मचारी हुए मुकम्मल डीवीसी प्र लेकर काप

करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इसी कड़ी में 29 अक्टूबर को आई। ऐसे साइबर सुरक्षा और साइबर हाइजिन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम शाम 4 बजे से 6 बजे तक मैनेजमेंट स्टडीज एंड इंस्ट्रुमेंटल इंजीनियरिंग (एमएसईआईई) विभाग के मैनेजमेंट हॉल में होगा। इसमें धनबाद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रभार कुमार, आईपीएस, कर्मचारियों को साइबर सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दे देंगे। विवज प्रतियोगिता का समन्वय सहायक कुलसचिव (सर्कत) अधिकारी।

धरंज कुमार सिंह ने किया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से संस्थान में सर्कता, पारदर्शिता, जवाबदेही और ईमानदार कार्यसंस्कृति को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है।

संक्षिप्त

समाचार

60 किमी की दौड़, चार घंटे तक मटके... फिर भी नहीं मिला बेड

लखनऊ, एंजेंसी। सीतापुर के महमूदाबाद से इलाज के लिए रेफर किए गए एक नवजात को भर्ती कराने के लिए परिजन चार घंटे तक एक से दूसरे सरकारी अस्पताल के चक्कर काटते रहे। इस दौरान बच्चे की हालत लगातार बिगड़ती गई और उसकी सांसें उखड़ने लगीं। सरकारी अस्पतालों में बेड नहीं मिलने पर परिजनों ने बच्चे को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। फिलहाल नवजात आईसीयू में भर्ती है। घटना ने सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था और गंभीर मरीजों को समय पर इलाज मिलने के दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। महमूदाबाद सीएचसी में मंगलवार सुबह जुलेखा (25) ने बच्चे को जन्म दिया था। जन्म के बाद नवजात को सांस लेने में परेशानी होने लगी। डॉक्टरों ने हालत गंभीर देख लखनऊ रेफर कर दिया। परिजन सुबह करीब 10 बजे एंबुलेंस से बच्चे को लेकर करीब 60 किमी दूर केजीएमयू पहुंचे। वहां काफी देर इंतजार कराने के बाद पनआईसीयू में बेड खाली नहीं होने की बात कहकर उन्हें डफरिन अस्पताल भेज दिया गया। इसके बाद परिजन एंबुलेंस से दोपहर करीब 12 बजे डफरिन अस्पताल पहुंचे। यहां भी आईसीयू में बेड उपलब्ध नहीं होने की बात कहकर उन्हें वापस कर दिया गया। परिजन शोएब ने बताया कि वे करीब चार घंटे तक बच्चे को भर्ती कराने के लिए अस्पतालों के चक्कर काटते रहे, लेकिन कहीं जगह नहीं मिली। बाद में निजी अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि पनआईसीयू में बेड फुल थे।

मानवीय मूल्यों से आंतरिक शक्ति बढ़ाने पर ध्यान देने की जरूरत

वाराणसी , एंजेंसी। आईएमएस बीएचयू के दंत चिकित्सा विज्ञान संकाय में हुए कार्यक्रम में मेडिकल छात्रों को मानवीय मूल्यों के साथ- साथ सद्गुणों के बारे में बताया गया। बतौर मुख्य वक्ता डॉ. अविनाशा शर्मा(हरियाणा) ने एमडीएस और बीडीएस पाठ्यक्रमों में नव प्रवेशित विद्यार्थियों को मानवीय मूल्यों से आंतरिक शक्ति बढ़ाने पर ध्यान देने की बात कही। नर्वरिंग लाइफ स्किल्स कार्यक्रम में आई डॉ. अविनाशा शर्मा ने डेंटल मैकेनिक और डेंटल हाइजीनिस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। बताया कि दैनिक जीवन में मानवीय मूल्यों, सद्गुणों को विकसित कर आंतरिक शक्ति को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह शक्ति जीवन के हर क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सहायक होती है। बीएचयू के अधिष्ठाता छात्र कल्याण (डीन ऑफ स्टूडेंट्स) प्रो. रंजन कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को उपलब्ध विभिन्न छात्र- हिंदेभी सुविधाओं और सेवाओं की जानकारी दी। दंत चिकित्सा विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रो. अतुल भटनागर ने ज्ञान, बौद्धिक क्षमता और व्यावहारिक कौशल (सॉफ्ट स्किल्स) के समग्र, सर्वांगीण और सामंजस्यपूर्ण विकास के बारे में बताया। कार्यक्रम में प्रो. विपुल शर्मा, प्रो. नवीनी पी.जी. प्रो. टीपी चतुर्वेदी, प्रो. एचसी बरनवाल, छात्र सलाहकार डॉ. महेश खैरनार, प्रो. आशीष अग्रवाल मौजूद रहे।

विदेशी भाषा को सीखने में संजीवनी है हिंदी और संस्कृत का ज्ञान

वाराणसी , एंजेंसी। काशी विद्यापीठ के अंग्रेजी और अन्य विदेशी भाषा विभाग में मंगलवार को हुए कार्यक्रम में विद्यार्थियों को रचनात्मक लेखन और भाषाओं से जुड़ी जानकारी दी गई। मुख्य वक्ता पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के रूसी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. पंकज मालवीय ने कहा कि किसी भी विदेशी भाषा को सीखने में हिंदी और संस्कृत का ज्ञान संजीवनी का काम करता है। बियोड सैंगवेज : कैंसर अर इनसाइट्स एंड द आर्ट ऑफ़ क्रिएटिव राइटिंग विषय पर प्रो. पंकज ने कहा कि वर्तमान समय में वैश्विक दौर में हर छात्र को कम से कम एक विदेशी भाषा अवश्य सीखनी चाहिए। भाषा न केवल हमारी मानसिक और बौद्धिक क्षमता का विकास करती है, बल्कि कैंसर के नए और असीमित द्वार भी खोलती है। अध्यक्षता डॉ. नीरज धनकड़ ने की। इस दौरान डॉ. आरती विश्वकर्मा, डॉ. किरण सिंह, शुभम सिंह रहे।

बसपा की जिला कमेटी में बदलाव, नए पदाधिकारी नियुक्त

गोरखपुर , एंजेंसी। बहुजन समाज पार्टी ने गोरखपुर की जिला कमेटी में बदलाव करते हुए नई कमेटी का गठन किया है। इसमें कई पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। नई कमेटी में अशोक शुक्ला को जिला उपाध्यक्ष, राजीव गुप्ता को जिला महासचिव और सुनील कुमार को जिला सचिव बनाया गया है। वहीं, मुन्ना खान को जिला कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा हरिलाल फौजी और श्री नारायण को जिला कार्यकारिणी में शामिल किया गया है।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन की प्रक्रिया समझाई गई

गोरखपुर , एंजेंसी। मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य को शुद्धता और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने के लिए सदर तहसील सभागार में बृथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को प्रशिक्षण दिया गया। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ज्ञान प्रताप सिंह और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने प्रशिक्षण में मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और दर्ज विवरणों में संशोधन करने की प्रक्रिया विस्तार से समझाई। अधिकारियों ने कहा कि सदर विधानसभा के बृथ संख्या 183 से 283 तक के बीएलओ को प्रत्येक आवेदन को सावधानीपूर्वक भ्रवाने, संबंधित जानकारी की जांच करना और निर्धारित प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करने की जरूरत है। फार्म भरवाते समय आवेदक के विवरणों को ध्यान से जांचने, आवश्यक कॉलम खाली न छोड़ने और दस्तावेज से जानकारी का

अब एक व्यक्ति खरीद सकेगा दो भूखंड, नैमिष और वरुण विहार योजना के लिए मची होड़



लखनऊ , एंजेंसी। अब कोई भी व्यक्ति लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के दो भूखंड खरीद सकेगा। अभी तक एक व्यक्ति को केवल एक भूखंड आवंटित करने का नियम था। एलडीए इस नियम में बदलाव करने जा रहा है। इसका प्रस्ताव दो नवंबर को होने वाली बोर्ड बैठक में मंजूरी के लिए लाया जाएगा। नए नियम में ढील से उन खरीदारों को फायदा होगा जो एलडीए से दो भूखंड खरीदना चाहते हैं। वर्तमान में एक व्यक्ति, एक भूखंड के नियम के चलते लोग एलडीए की बजाय

प्राधिकरण के आवंटी से रिसेल में दूसरा भूखंड खरीद लेते हैं। यदि बोर्ड की मंजूरी के बाद नियम बदला तो दो भूखंड खरीदने के इच्छुक लोगों को आवंटियों से रिसेल में खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी। एलडीए की इस समय दो आवासीय योजनाओं नैमिष और वरुण विहार में पंजीकरण हुआ है। आईटी सिटी और वेल्नेस सिटी में भी पंजीकरण शुरू होना है। बोर्ड की मंजूरी के बाद लोग किसी एक योजना या अलग-अलग योजना में दो भूखंड खरीद सकेंगे।

घरों से पानी निकला...दबे पांव घुस रही बीमारी



लखनऊ, एंजेंसी। फैजुल्लागंज की भागंव कॉलोनी में घरों से तो बाढ़ का पानी निकल गया। गलियों और खाली प्लॉटों में जलभराव और गंदगी से बीमारी पांव पसारने लगी है। लोग सदी-खासी, जुकाम-बुखार की चपेट में आ रहे हैं। कॉलोनी के लोग सफाई और दवा छिड़काव न कराए जाने का आरोप लगा रहे हैं। मिश्रा तिराहे के पास के लोग भी गंदगी से परेशान हैं। तिरंगा चौराहा के पास, उससे थोड़ा आगे गली में गंदा पानी भरा है। लोगों के घरों के सामने भी जलभराव है। कच्ची ढाल के पास खड़े मेडिकल वाहन पर दवा लेने पहुंची मजिदा और रामदेवी बुखार से पीड़ित थीं। अब्दुल कलाम हाथ-पैर में दर्द की दवा लेने पहुंचे थे।

बेटा-बहू सभी को बुखार: मंगलवार की दोपहर भागंव कॉलोनी में तिरंगा चौराहे के समीप दुकान पर बैठीं बकरीदन का दिन से बुखार की चपेट में हैं। उन्होंने बताया कि बेटा अख्तर

अंसारी, अनस अंसारी और बहू को भी बुखार आ रहा है। चौराहे के पास सड़क पर गंदा पानी भरा है। खाली प्लॉटों में भरे तालाब जैसे पानी में काई जमा है। बकरीदन ने बताया कि यहां सफाई नहीं हुई।

तीन दिन से बुखार, घर में लगवाया है आरओ: कॉलोनी की प्राची सिंह भी बुखार की चपेट में हैं। उन्होंने बताया कि तीन दिन से तबीयत खराब है। घर की बोरिंग से दूषित पानी आ रहा था, इसलिए एक दिन पहले आरओ लगवाया है। कुछ कर्मचारी सिर्फ एक दिन सफाई करने आए थे। कुछ जगह सफाई की और चले गए। गंदा पानी भरा है, दवा का छिड़काव नहीं कराया जा रहा।

रास्ते पर जलभराव, सफाई नहीं हो रही: कॉलोनी के मोहित बोरिंग की घरम्मत करा रहे थे। उन्होंने बताया कि कल ही घर वापस आए हैं। बोरिंग से आ रहा पानी पीना तो दूर नहाने लायक भी नहीं है। मच्छर और कीड़े बढ़े हैं।

भाजपा पदयात्रा में दिखाएगी ताकत, 30 हजार कार्यकर्ता शामिल होंगे

गोरखपुर , एंजेंसी। भारतीय जनता पार्टी एक नवंबर को ‘लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ’ पदयात्रा के माध्यम से अपनी संगठनात्मक शक्ति का प्रदर्शन करेगी। इस पदयात्रा में गोरखपुर क्षेत्र के सभी बारह जिलों से लगभग तीस हजार कार्यकर्ता, सांसद और विधायक शामिल होंगे। यह यात्रा कांग्रेस की दिल्ली में होने वाली ‘बेट बचाओ, देश बचाओ’ महारैली के विरोध में है। क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय ने पदयात्रा के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लगभग एक किलोमीटर लंबी पदयात्रा दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर से शुरू होगी। यह यात्रा महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के परिसर तक जाएगी। पदयात्रा शुरू होने से पहले विश्वविद्यालय परिसर में एक जनसभा का भी आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्तर के एक पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। उनका नाम जल्द ही तय किया जाएगा। उन्होंने बताया कि लखनऊ प्रदेश कार्यालय पर हुई बैठक में कार्यक्रम के सभी बारह जिलों से कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को बुलाया गया है। लगभग तीस हजार की भीड़ जुटाने का लक्ष्य रखा गया है, जो पार्टी की एकजुटता और जनधार को प्रदर्शित करेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस दिल्ली में रैली के जरिये युवाओं को गुमराह करके अराजकता फैलाने का प्रयास कर रही है।

आईआईटी में असमानता और भेदभाव पर होगी निगरानी, कैंपस में मिलेंगे बराबर के मौके

वाराणसी , एंजेंसी। आईआईटी बीएचयू में असमानता और भेदभाव की समस्या पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। सभी छात्रों, प्रोफेसरों और कर्मचारियों को बराबर का अवसर दिलाने और उनके समन्वय के लिए पांच सदस्यों का एक प्रकोष्ठ बनाया गया है, जिसका नाम समान अवसर प्रकोष्ठ होगा। वहीं पुरानी समिति समाप्त कर दी गई है। कुलसचिव कार्यालय (सामान्य प्रशासन) की ओर से आधिकारिक सूचना जारी कर बताया गया है कि जुलाई 2023 में स्थापित समानता, विविधता तथा समावेशन समिति ‘को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया गया है। अब समान अवसर प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। इसके अध्यक्ष केमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी विभाग के डॉ. मनोज कुमार मंडल होंगे। यह प्रकोष्ठ संस्थान के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग और महिलाओं से जुड़ी शिकायतों, आशंकन व अन्य मामलों का समाधान करने वाली मौजूदा समितियों और संपर्क अधिकारियों के साथ समन्वय बनाएगा। वचित समूहों के लिए उपलब्ध अधिकारों और कल्याणकारी योजनाओं की जानकारीया देगा। नए प्रकोष्ठ से जुड़े इस बदलाव की जानकारी संस्थान के सभी अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों, मुख्य सतर्कता अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारियों को भेज दी गई है।

इनको बनाया गया है सदस्य

जानपद अभियांत्रिकी विभाग की डॉ. रोजलीन साहू, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. यादविंद सिंह जोशान और कंप्यूटर एंड इंजीनियरिंग विभाग के वरिष्ठ तकनीकी अधीक्षक डॉ. राम प्रसाद मन्ना को प्रकोष्ठ का सदस्य नियुक्त किया गया है।

कैंसर संस्थान में अब पांच दिन में मिलेगी बायोप्सी की जांच रिपोर्ट

लखनऊ, एंजेंसी। चक गंजरिया स्थित कैंसर संस्थान में 2.16 करोड़ रुपये की लागत से डिजिटल पैथोलॉजी लैब स्थापित की गई है। इस सुविधा से कैंसर मरीजों की बायोप्सी जांच रिपोर्ट अब पांच दिन में मिल सकेगी। अभी रिपोर्ट आने में आठ से 10 दिन लगते थे। मंगलवार को संस्थान में ऑनकोपैथोलॉजी विभाग के स्थापना दिवस समारोह में निदेशक डॉ. एमएलबी भट्ट ने लैब का शुभारंभ किया।

निदेशक डॉ. एमएलबी भट्ट ने कहा कि समय पर जांच रिपोर्ट मिलने से मरीजों का इलाज जल्द शुरू करने में मदद मिलेगी। कैंसर के उपचार में एक-एक दिन महत्वपूर्ण होता है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वरुण विजय ने बताया कि डिजिटल तकनीक से नमूनों की जांच और रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया तेज होगी। इससे



जांच में देरी कम करने, गलतियों का आशंका घटाने और अधिक नमूनों की जांच करने में मदद मिलेगी। ऑनकोपैथोलॉजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. दीप्ति मिश्रा ने बताया कि नई लैब में पैथोलॉजी स्लाइड की उच्च गुणवत्ता वाली डिजिटल तस्वीरें तैयार की जा सकेंगी। इन्हें संस्थान के विशेषज्ञों के साथ दूसरे

दो भूखंड रखने पर हुई थी परेशानी

पहले दो भूखंड रखने पर लोगों को एक भूखंड सरेंडर करना पड़ा था। ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं। हाल ही में एलडीए में एक नेता ने अपना भूखंड सरेंडर किया था। साल 2001 में उन्हें और उनकी पत्नी को लॉटरी से भूखंड आवंटित हुए थे। एक विरोधी की शिकायत के बाद नेताजी उपभोक्ता फोरम तक गए पर उन्हें राहत नहीं मिली। इसी तरह आवास विकास परिषद की अवध विहार योजना में भी एक नेता ने भूखंड सरेंडर किया था। अब प्रस्ताव पास होने के बाद सीधे दो भूखंड लेने वालों को कानूनी रूप से कोई परेशानी नहीं होगी। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि एलडीए में अब तक नियम है कि कोई व्यक्ति एक भूखंड

नैमिष और वरुण विहार योजना की लॉटरी चार या पांच नवंबर को

एलडीए की सीतापुर रोड स्थित नैमिष नगर और आगरा एक्सप्रेसवे स्थित वरुण विहार योजना में भूखंडों का पंजीकरण मंगलवार को बंद हो गया। दोनों योजनाओं के करीब 4500 भूखंडों के लिए 32 हजार से अधिक लोगों ने आवेदन किया है। अब इनके बीच आवंटन के लिए चार या पांच नवंबर को लॉटरी डाली जाएगी। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि योजना का पंजीकरण 24 सितंबर को एक महीने के लिए खोला गया था। उसके बाद तीन दिन का समय और बढ़ाया गया। अब लॉटरी की कार्यवाही शुरू कर दी गई है। पहले चरण की लॉटरी के बाद दोनों योजनाओं में एक-एक हजार भूखंडों के लिए पंजीकरण और खोला जाएगा।

दुकानों की कीमत नहीं बढ़ेगी

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि गोमती नगर सहित कई योजनाओं में प्राधिकरण की कुछ दुकानें हैं। इन दुकानों की मांग कम है या वे नीलामी में बिक नहीं रही हैं। ऐसी दुकानों की कीमत फिलहाल नहीं बढ़ाई जाएगी। पहले नीलामी में आरक्षित दर से अधिक बोली लगने के बाद भी खरीदार नहीं आते थे। इसके चलते अगली बोली में आरक्षित कीमत बढ़ानी पड़ती थी। आरक्षित दर इस वित्तीय वर्ष में स्थिर रहेगी।

एक मैदान, दो दरबार व साझा रामलीला; हिंदू-मुस्लिम कलाकार मिलकर करते हैं मंचन, छह दशक से निभ रही परंपरा



अयोध्या, एंजेंसी। मैदान के एक छोर पर राम का दरबार, दूसरे पर रावण का। बीच में खुले मैदान में रामकथा के प्रसंगों का मंचन और दर्शकों के बैठने की परंपरागत व्यवस्था। अयोध्या के मुमताज नगर की यह रामलीला छह दशक से अधिक समय से सांप्रदायिक सौहार्द और साझा सांस्कृतिक विरासत की मिसाल बनी हुई है। पर 1963 में शुरू हुई इस रामलीला में हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोग मिलकर आयोजन करते हैं और मंच पर विभिन्न पात्रों की भूमिका निभाते हैं। श्री रामलीला रामायण समिति ट्रस्ट, मुमताज नगर की इस रामलीला में हर साल स्थानीय लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

थानीय लोग ही निभाते हैं किरदार

इस रामलीला की खासियत यह भी है कि यहां बाहरी कलाकारों के बजाय स्थानीय लोग ही पात्र बनते हैं। इनमें बैककर्मी, ग्राम प्रधान, किसान, एलआईसी एजेंट और सरकारी कर्मचारी शामिल हैं। रोजमर्रा की जिम्मेदारियों के बीच समय निकालकर ये लोग तैयारी करते हैं और मंच पर रामकथा के प्रसंगों को जीवंत बनाते हैं। दर्शकों के लिए भी ये कलाकार अपने आसपास रहने वाले परिचित चेहरे हैं, जिससे आयोजन से उनका जुड़ाव बना रहता है। बदलते समय में मंच सज्जा, प्रकाश और तकनीक का इस्तेमाल बढ़ने के बावजूद यहां पारंपरिक मैदानी रामलीला का स्वरूप कायम है। मैदान के दोनों छोर पर राम और रावण के दरबार सजते हैं और बीच में कथा का मंचन होता है। अयोध्या में मंदिर-मस्जिद विवाद के दौर में भी यह आयोजन जारी रहा। रामलीला की शुरुआत पॉलिटेक्निक के शिक्षक रहे जगदीश प्रसाद शर्मा ने स्थानीय निवासी जुगुल किशोर शर्मा, रामचंद्र तिवारी, रामदयाल, डॉ. वाजिद अली, हिदायत अली और अशराफ अली के साथ मिलकर की थी। उस समय सांप्रदायिक सौहार्द बढ़ाने के उद्देश्य से मुस्लिम समुदाय के लोगों ने रामलीला समिति का गठन किया था। डॉ. वाजिद अली मौजूदा अध्यक्ष डॉ. सैयद माजिद अली के पिता थे। शुरुआती दो-तीन वर्षों तक वह समिति के उपप्रधान रहे, फिर करीब 18 वर्षों तक अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली। अब उनके बेटे डॉ. सैयद माजिद अली समिति के अध्यक्ष और मुख्य ट्रस्टी हैं तथा लंबे समय से आयोजन से जुड़े हैं। हालांकि, राजेश कुमार तिवारी के अनुसार, इन दिनों उनकी तबीयत ठीक नहीं है और वह मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती हैं। इसके बावजूद समिति के सदस्य रामलीला की परंपरा को आगे बढ़ाने में जुटे हैं।

इस बार शाहीन अली, मोहम्मद इकलाख, जबीर अली और मोहम्मद रईस समेत पांच-छह मुस्लिम कलाकार अलग-अलग पात्रों की भूमिका निभा रहे हैं। आयोजन की व्यवस्थाओं से लेकर मंचन तक में मुस्लिम समुदाय की सक्रिय भागीदारी रहती है। समिति के कोषाध्यक्ष राजेश

कुमार तिवारी के मुताबिक, यह रामलीला सामाजिक सौहार्द की अनूठी मिसाल है। मुस्लिम समाज के लोग गर्व से रावण के सेनापति और सेना के सदस्यों सहित अन्य पात्रों की भूमिकाएं निभाते हैं। आयोजन में दोनों समुदायों का सहयोग इसकी परंपरा को मजबूत बनाता है।

3 दिन नदी में स्नान और नौका विहार से बचें.. आंधी-बारिश की चेतावनी पर प्रशासन अलर्ट

वाराणसी , एंजेंसी। काशी में आज हल्की और बृहस्पतिवार को आंधी और गरज-चमक के साथ तेज बारिश की चेतावनी को लेकर जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। काशीवासियों को बेमौसम बारिश से बचाने के लिए एक एडवाइजरी भी जारी कर दी गई है। लोगों के अपील की गई है कि नदी में स्नान और नौका विहार से बचें। नाव संचालन के संबंध में प्रशासन के प्रतिबंधों का उल्लंघन न करें। 29 और 30 अक्तूबर को भारी बारिश, गरज-चमक और आंधी-तूफान की संभावना है। यूपी आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र ने चेताया है कि बंगाल की

खाड़ी पर बने अति प्रचंड चक्रवाती तूफान अर्णब बुधवार से प्रदेश में बारिश करा सकता है। तापमान में छह से सात डिग्री की गिरावट आने से ठंड बढ़ सकती है। वरिष्ठ मौसम विज्ञानी डॉ. अतुल कुमार सिंह ने बताया कि बापटला और विशाखापत्तनम के बीच यानम के पास तूफान की गति 150 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। मंगलवार को जिले का अधिकतम तापमान 32.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा 15 किमी प्रति घंटे की गति से बही। दोपहर बाद कुछ देर के लिए आसमान में हल्के-फुल्के बादल भी दिखाई दिए।

जिला प्रशासन ने सतर्क रहने की सलाह

तेज हवाओं, बिजली, जलभराव, पेड़ या बिजली खंभे गिरने और कमजोर भवनों को क्षति पहुंचने की आशंका है। जर्जर और क्षतिग्रस्त भवनों, कच्चे मकानों, कमजोर दीवारों, अस्थायी टिनशेड से दूर रहे। सुरक्षित स्थान पर चले जाएं। आंधी-तूफान या तेज हवाएं चलने की स्थिति में पक्के और सुरक्षित भवन के अंदर रहे। खिड़कियों, कांच के दरवाजों, बालकनी और छत के किनारों से दूरी बनाए रखें। केवल थोड़ा अस्थायी शेड के नीचे रुकना सुरक्षित विकल्प नहीं है। यदि किसी क्षेत्र में सुरक्षा के दृष्टिगत आवागमन या अन्य गतिविधियों पर सक्षम प्राधिकारी की ओर से प्रतिबंध लगाया जाता है तो उसका पालन करें। बच्चों और बुजुर्गों को अकेले बाहर न भेजें। किसी भी प्रकार की अफवाह पर विश्वास न करें।

इससे पुराने मामलों की रिपोर्ट और नमूनों का दोबारा अध्ययन करना आसान होगा। इस सुविधा का लाभ ग्रामीण और दूरदराज के मरीजों को भी मिल सकता है। स्वास्थ्य केंद्रों से कोशिकाओं के नमूने डिजिटल माध्यम से संस्थान भेजे जा सकेंगे, जिससे मरीजों को बार-बार लखनऊ आने की जरूरत कम होगी। कार्यक्रम में पीजीआई के पैथोलॉजी विभाग के प्रोफेसर एवं डीन डॉ. मनोज जैन ने कैंसर पैथोलॉजी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग, चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर व्याख्यान दिया। इस मौके पर डॉ. प्रमोद मित्तल गोयल, डॉ. विजेंद्र कुमार, डॉ. मधुदत्त गुप्ता, डॉ. आयुष लोहिया, आयोजन सचिव डॉ. श्रेष्ठा घोष और संयुक्त आयोजन सचिव डॉ. प्रियंका समीर मौजूद रहें।

संक्षिप्त

समाचार

बलोचिस्तान के दलबर्दिन में धमाका, पूर्व अफगान कमांडर मतीन आगा घायल

क्वेटा (बलोचिस्तान)। बलोचिस्तान प्रांत के दलबर्दिन इलाके के माउंट तरन में हुए धमाके में अफगानिस्तान सेना के पूर्व कमांडर मतीन आगा गंभीर रूप से घायल हो गए। इस धमाके में अफगान सेना के दो पूर्व जवान भी मारे गए। पत्रकार बहोत बलोच ने अस्पताल में इलाज करा रहे मतीन आगा और घटनास्थल की तस्वीरें शेयर कर इस खबर की पुष्टि की है। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान सरकार समर्थित हथियारबंद ग्रुप का एक अहम सदस्य शाहू भी धमाके में मारा गया। बलोचिस्तान में अफगान सेना के पूर्व जवानों की मौजूदगी पर चिंता जताई गई है। आरोप है कि पाकिस्तान सेना इनका इस्तेमाल बलोच नेशनल मूवमेंट के खिलाफ करती है। बलोचिस्तान की आजादी की लड़ाई में सक्रिय हथियारबंद संगठन बलोच लिबरेशन आर्मी के मुताबिक, खुजदार में शफीक मंगल के घर पर हुए हमले में अफगान सेना के पूर्व जवान भी मारे गए हैं। बलोच नेशनलिस्ट संगठन (बीवाईसी) और बलोचिस्तान नेशनल पार्टी समेत बलोचिस्तान असेंबली के सदस्यों ने भी बलोचिस्तान में अफगान सेना के सेवानिवृत्त अधिकारियों की मौजूदगी पर चिंता जताई है। इन पार्टियों का कहना है कि ये पूर्व कमांडर बलोचिस्तान में मिलिट्री ऑपरेशन और दूसरे अपराधों में पाकिस्तान की सेना के साथ मौजूद हैं। वहीं, परतो इलाकों में स्थानीय लोगों ने भी कहा है कि ये अफगान कमांडर दंगों, चोरी और दूसरे अपराधों में शामिल हैं। हालांकि, सरकारी स्तर पर उनकी मौजूदगी को लेकर कोई साफ स्थिति नहीं है। बलोचिस्तान के पूर्व मंत्री और पाकिस्तान की सत्तारूढ़ पार्टी मुस्लिम लीग के सांसद अब्दुल रहमान खैरान ने भी डेरा बुगती और बरखान के सीमावर्ती इलाकों में अफगान सरकार के पूर्व कमांडरों की मौजूदगी की पुष्टि की है। भरोसेमंद सूत्रों ने पुष्टि कि पाकिस्तान की मिलिट्री एजेंसियां इन एक्स-सर्विसमैन के अफगान तालिबान के साथ-साथ बलोच नेशनल मूवमेंट के खिलाफ मिलिट्री तैयारियों में इस्तेमाल करने की तैयारी कर रही हैं।

यूएस के राजदूत को झूठा कहने पर हंगामा, रोकना पड़ी कार्यवाही, संयुक्त राष्ट्र महासभा में अमेरिका और तब्बूबा भिड़े

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र महासभा में मंगलवार को अमेरिका और क्यूबा के प्रतिनिधियों के बीच तीखी झड़प हो गई। बहस इतनी ज्यादा बढ़ गई कि कुछ देर के लिए कार्यवाही को रोकना पड़ा। दरअसल, अमेरिकी राजदूत माइक वॉल्ट्ज पोंडियम पर अपना संबोधन दे रहे थे तभी क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिगज पारिला पोंडियम पर पहुंचे और माइक पकड़कर अमेरिकी राजदूत को झूठा कहकर धमकाने लगे। इससे विवाद बढ़ा और हंगामा शुरू हो गया। जिसके चलते कुछ देर के लिए कार्यवाही रोकना पड़ी। यह घटनाक्रम क्यूबा पर अमेरिकी प्रतिबंधों की निंदा करने से जुड़े संयुक्त राष्ट्र महासभा के मतदान से ठीक पहले हुआ, जो आधुनिक समय के सबसे लंबे आर्थिक और व्यापारिक प्रतिबंधों में से एक है। पारिला ने आरोप लगाया कि अमेरिका अन्य देशों पर ख़ाब बना रहा है ताकि वे प्रतिबंधों की निंदा करने वाले प्रस्ताव के खिलाफ मतदान करें। उनके मुताबिक, हाल में इंधन आपूर्ति पर लगाई गई पाबंदियों ने क्यूबा की स्वास्थ्य व्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, जिससे देश में शिशु मृत्यु दर दोगुनी हो गई है और लाखों क्यूबाई लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया है। वहीं, अपने संबोधन में राजदूत वॉल्ट्ज ने क्यूबा की सरकार को भ्रष्ट बताते हुए निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि देश के नेता निजी द्वीपों पर रहते हैं और महंगी रोलेक्स घड़ियां पहनते हैं, जबकि देश की समस्याओं के लिए दूसरों की दोषी ठहराते हैं। वॉल्ट्ज ने क्यूबा के दिवंगत नेता फिदेल कास्त्रो की एक तस्वीर भी दिखाई, जिसमें उनके हाथों में दो रोलेक्स घड़ियां थीं। उन्होंने दावा किया कि इन घड़ियों की कीमत एक औसत क्यूबाई नागरिक की 55 साल की कमाई के बराबर होगी। उन्होंने मौजूदा राष्ट्रपति मिगेल डियाज़-कानेल पर भी ऐसी ही घड़ियां पहनने का आरोप लगाया। वॉल्ट्ज के संबोधन के दौरान ही पारिला अचानक उनके पोंडियम के पास पहुंच गए और उन पर झूठ बोलने का आरोप लगाया। इस पर वॉल्ट्ज ने उन्हें सख्त लहजे में पीछे हटने की चेतावनी दी। पारिला ने प्रक्रिया संबंधी आपत्ति उठाते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा के नियमों के उल्लंघन का दावा किया और नियम 71 का हवाला दिया। हालांकि, वॉल्ट्ज ने उनकी आपत्ति को यह कहकर खारिज कर दिया कि पारिला को केवल इसलिए परेशानी हो रही है क्योंकि उन्हें कड़वी सच्चाइयां पसंद नहीं आ रही हैं। तनाव बढ़ता देख वॉल्ट्ज ने महासभा के अध्यक्ष से अपील की कि क्यूबा के मंत्री को पोंडियम से दूर किया जाए। उन्होंने कहा, यह व्यक्ति पोंडियम से पीछे हटे। वह मुझे संयुक्त राज्य अमेरिका में उसी तरह डराने की कोशिश नहीं कर सकता, जैसे वह राजनीतिक कैदियों को डराने की कोशिश करता है। मैं संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रतिनिधि हूँ। पीछे हट जाओ। पलटवार करते हुए पारिला ने फिर कहा, आप झुठे हैं।

केंद्रीय पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने किया मानस राष्ट्रीय उद्यान का दौरा

बाक्सा (असम)। केंद्रीय पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने असम स्थित विश्व धरोहर स्थल मानस राष्ट्रीय उद्यान का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने उद्यान की प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध जैव विविधता का आनंद लिया। साथ ही उन्होंने असम के पारंपरिक वंजनों का स्वाद भी चखा। केंद्रीय पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी दो दिवसीय दौरे पर 27 अक्टूबर को यहां पहुंचे थे। आज सुबह उन्होंने मानस उद्यान का भ्रमण किया। दौरे के दौरान मानस राष्ट्रीय उद्यान के मनमोहक प्राकृतिक वातावरण और विविध वन्यजीवों ने केंद्रीय मंत्री को आकर्षित किया। उन्होंने असम की पारंपरिक खाद्य संस्कृति का भी अनुभव किया। इस अवसर पर सुरेश गोपी ने असम के पारंपरिक वंजन टेक्ली पीठा का स्वाद लिया। चावल से तैयार किया जाने वाला यह पारंपरिक पकवान अपनी विशिष्ट बनावट की विधि के लिए जाना जाता है। इसके साथ ही उन्होंने असम की प्रसिद्ध लाल चाय का भी आनंद लिया। मानस राष्ट्रीय उद्यान अपनी समृद्ध जैव विविधता, प्राकृतिक सुंदरता और विशिष्ट पारिस्थितिकी तंत्र के लिए प्रसिद्ध है। यह उद्यान असम के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल है और वन्यजीव प्रेमियों तथा प्राकृतिक प्रेमियों को आकर्षित करता है।

कूनों में गोली के छरों से चीते की मौत की जांच के लिए केंद्र ने भेजी उच्चस्तरीय टीम

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के कूनों राष्ट्रीय उद्यान में 19 महीने के नर चीते की गोली के छरों से घायल होने के बाद मौत के मामले में केंद्र सरकार ने उच्चस्तरीय टीम भेजी है। टीम घटनास्थल और मौत की परिस्थितियों का पता लगाने के साथ उपलब्ध साक्ष्यों की पड़ताल करेगी। केंद्र ने मध्य प्रदेश वन विभाग के साथ समन्वय कर मामले में त्वरित और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुसार, केंद्रीय टीम में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के वन महानिरीक्षक, वन्यजीव अपराध निंत्रण ब्यूरो (डब्ल्यूसीसीबी) के अतिरिक्त निदेशक और क्षेत्रीय उपनिदेशक शामिल हैं। टीम राज्य सरकार की जांच में सहयोग करेगी। इसके साथ ही चीते की सुरक्षा के लिए लागू प्रोटोकॉल, निगरानी और संरक्षण उपायों की भी समीक्षा करेगी, ताकि भविष्य में ऐसी घटना को रोका जा सके। मंत्रालय के अनुसार, चीता निरवा की संतान 19 महीने का नर चीता 25 अक्टूबर को कूनों राष्ट्रीय उद्यान के संरक्षित क्षेत्र से बाहर मुरना के क्षेत्रीय वन क्षेत्र में घायल मिला था। उसी दिन उसने श्योपुर क्षेत्रीय वन प्रभाग से जबलपुर के पशु चिकित्सा केंद्र ले जाया गया। वहां उसे गहन चिकित्सा और आपातकालीन सर्जरी की गई। सर्जरी के दौरान उसके शरीर से गोली के पांच छरे निकाले गए। बावजूद इसके 27 अक्टूबर को चीते की मौत हो गई। चिकित्सा जांच में गोली के छरों से कई आंतरिक चोटों की पुष्टि की गई है। मध्य प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के लिए वन और पुलिस अधिकारियों को शामिल करते हुए विशेष कार्यबल (एसटीोफ) का गठन पहले ही कर दिया है। वहीं, केंद्रीय टीम राज्य की जांच एजेंसियों के साथ मिलकर काम करेगी। वह अपनी जांच के निष्कर्ष और सिफारिशें मंत्रालय को सौंपेगी, जिसके आधार पर आगे के निर्देश दिए जाएंगे।

ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं के रखरखाव में पंचायतों की भागीदारी बढ़ाने पर जोर

एजेंसी, नई दिल्ली



केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने बुधवार को ‘सुजल ग्राम संवाद’ का 12वां संस्करण आयोजित किया। इसमें ग्रामीण पेयजल योजनाओं के संचालन और रखरखाव में ग्राम पंचायतों की भूमिका, जलस्रोतों के संरक्षण और उपयोगकर्ता शुल्क के माध्यम से व्यवस्था को टिकाऊ बनाने पर जोर दिया गया। संवाद में पांच ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव साझा किए। जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव अशोक केके मीणा की अध्यक्षता में आयोजित संवाद में राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के अतिरिक्त सचिव एवं निम्न निदेशक कमल किशोर सोअन और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। मीणा ने कहा कि पंचायतों को जल सेवा आकलन और स्वच्छ सेवा आकलन के जरिए सेवाओं की नियमित समीक्षा

करनी चाहिए। उन्होंने 16वें वित्त आयोग के अनुदान का प्रभावी उपयोग करने और जलापूर्ति योजनाओं के रखरखाव के लिए उपयोगकर्ता शुल्क वसूलने की व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले की घालियां ग्राम पंचायत ने बताया कि जल जीवन मिशन से पहले ग्रामीण बोखेल और टैंकरों पर निर्भर थे, लेकिन अब पंचायत के सभी छह गांवों में नियमित जलापूर्ति हो रही है। महिलाओं को पानी की गुणवत्ता जांचने का

कोलकाता बंदरगाह पर 13.50 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की ई-सिगरेट जब्त

एजेंसी, नई दिल्ली



राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह पर दो अलग-अलग कार्रवाइयों में 13.50 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की ई-सिगरेट जब्त की हैं। ये ई-सिगरेट नेपाल भेजे जाने वाले दो कंटेनरों में छिपाई गई थीं। अधिकारियों ने 24 अक्टूबर को खुफिया सूचना के आधार पर दोनों कंटेनरों को रोका था।

वित्त मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि एक कंटेनर में सामान को ‘वाटर ग्लास’ और दूसरे में ‘सिरेमिक मग’ के रूप में घोषित किया गया था। जांच के दौरान पहले कंटेनर में आईजीईटी ब्रांड की अलग-अलग प्लेवर वाली 40 हजार ई-सिगरेट बरामद हुई। दूसरे कंटेनर से वीटीबी, वॉको, बैंग और ईजॉय सहीट विभिन्न ब्रांडों की करीब 15 हजार ई-सिगरेट मिलीं। डीआरआई ने सीमा शुल्क अधिनियम की संबंधित धाराओं के

तहत ई-सिगरेट के साथ उन्हें छिपाने के लिए इस्तेमाल किए गए सामान को भी जब्त कर लिया।

भारत में इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट और सभी इलेक्ट्रॉनिक निफोटोनि डिलीवरी सिस्टम (ईएनडीएस) पर प्रतिबंध है। यह प्रतिबंध सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा और लोगों को इनके नुकसान से बचाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम, 2019 के तहत लगाया गया है।

मप्र से राज्यसभा जाएंगे केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी

एजेंसी, भोपाल



भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मध्य प्रदेश से राज्यसभा की एक रिक्त सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को उम्मीदवार बनाया है। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने बुधवार को उनके नाम की घोषणा कर दी है। भाजपा ने एक बयान में कहा कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने उपचुनाव के लिए पुरी के नाम को मंजूरी दे दी है। इस उपचुनाव में मध्य प्रदेश विधानसभा के विधायक राज्यसभा सदस्य का चुनाव करेगें। उप निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन पत्र विधानसभा भवन, भोपाल स्थित रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय में जमा किया जा सकते हैं। यह सीट केंद्र में मंत्री रहे डॉ. एल. मुरगन के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। उन्होंने इसी माह 14 अक्टूबर को केंद्रीय मंत्रिपरिषद और राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा

थेनी जेल से 17 कैदियों के फरार होने के बाद तमिलनाडु की जेलों में सुरक्षा कड़ी

एजेंसी, चेन्नई

तमिलनाडु के थेनी उप-जेल से 17 कैदियों के फरार होने की घटना के बाद राज्य सरकार ने जेलों की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। जेल विभाग ने नौ कैदियों जेलों, महिलाओं के लिए पांच कम विशेष जेलों और 13 जिला जेलों की निगरानी मीनारों पर चौबीसों घंटे सेल्फ-लॉडिंग राइफल (एसएलआर) से लैस सुरक्षाकर्मियों को तैनाती शुरू कर दी है। साथ ही जेलकर्मियों की छुट्टियां रद्द कर उन्हें तत्काल ड्यूटी पर लौटने के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस विभाग के अनुसार, जेलों की बाहरी परिधि में स्थित निगरानी मीनारों पर तैनात तमिलनाडु विशेष पुलिस बल के जवानों और जेलकर्मियों को एसएलआर राइफल्स उपलब्ध कराई गई हैं। जेल विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक केंद्रीय और जिला जेल में पांच से छह निगरानी मीनारें हैं। इन पर चौबीसों घंटे हथियारबंद जवान

- भाजपा ने घोषित किया उम्मीदवार**
- एल. मुरगन के इस्तीफे के बाद रिक्त सीट पर उपचुनाव के लिए 12 नवंबर को होगा मतदान**

मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा में राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए सामान्य स्थिति में 116 मतों का कोटा है। हालांकि, कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा मतदान में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। ऐसे में 229 विधायकों के आधार पर चुनावी गणित तय होगा और जीत का कोटा निर्धारित नियमों के अनुसार तय किया जाएगा।

परिचय: हरदीप सिंह पुरी भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व राजनयिक और लेखक हैं। उनका जन्म 15 फरवरी 1952 को दिल्ली में हुआ था। उन्होंने दिल्ली

विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज से इतिहास में स्नातक और स्नातकोत्तर की पढ़ाई की। वह 1974 बैच के भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी रहे हैं और करीब 39 वर्षों तक राजनयिक के रूप में काम किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि के रूप में जिनेवा और न्यूयॉर्क में सेवाएं दीं। वर्ष 2014 में भाजपा में शामिल होने के बाद 2017 में मंत्री बने। वर्तमान में वह केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हैं। दरअसल, डॉ. एल. मुरगन अप्रैल 2024 में मध्य प्रदेश से राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। उन्होंने 14 अक्टूबर 2026 को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उनका कार्यकाल 3 अप्रैल 2030 तक था। उनके इस्तीफे के बाद रिक्त हुई सीट पर अब उपचुनाव कराया जा रहा है। उपचुनाव की अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई थी।

गोंडा, बहराइच व बलरामपुर में मोबाइल नेटवर्क की जांच

एजेंसी, नई दिल्ली



भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने उत्तर प्रदेश के गोंडा, बहराइच, श्रावस्ती और बलरामपुर में मोबाइल नेटवर्क की गुणवत्ता की जांच की। सितंबर में किए गए स्वतंत्र परीक्षण में गोंडा, बहराइच और बलरामपुर शहरों में रिलायंस जियो की औसत डाउनलोडिंग स्पीड सबसे अधिक दर्ज की गई। वहीं, भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की डाउनलोडिंग स्पीड चारों कंपनियों के मुकाबले कम रही।

केंद्रीय संचार मंत्रालय के अनुसार ट्राई के भोपाल क्षेत्रीय कार्यालय की निगरानी में 7 से 10 सितंबर तक ये परीक्षण किए गए। इसके तहत चारों शहरों में कुल 367.7 किलोमीटर की दूरी पर वाहन से नेटवर्क की जांच की गई। गोंडा और बलरामपुर में 2.7 किलोमीटर का पैदल परीक्षण भी हुआ। इसके अलावा प्रयागराज से गोंडा और एमबीपीएस दर्ज की गई।

मुंबई और गुजरात में 11 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

एजेंसी, नई दिल्ली



◆ मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित धन की जांच

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुंबई जोनल कार्यालय-1 ने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत मुंबई और गुजरात में करीब 11 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई अपराध से अर्जित आय (पीओसी) का पता लगाने और उसके आगे किए गए हस्तांतरण तथा लेव्यरिंग की जांच के लिए की गई। ईडी के अनुसार, नविन गुरुनाथ चिचकर और अन्य आरोपितों ने एक स्थापित अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के माध्यम से मादक पदार्थों की बिक्री से अपराध से अर्जित आय जुटाई। इसमें कोकीन, हाइड्रोपोनिक गांजा, एलएसडी और गांजे से बने खाद्य पदार्थ शामिल हैं। इन मादक पदार्थों की अधिकांश खेप भारत के बाहर से तस्करी के जरिए लाई जाती थी। ईडी ने बताया कि नविन चिचकर और अन्य के खिलाफ पीएमएलए के तहत जांच नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), मुंबई और नवी मुंबई पुलिस की घंटी-नारकोटिक्स सेल (एएनसी) द्वारा दर्ज मामलों के आधार पर शुरू की गई। इन मामलों में मुंबई और नवी मुंबई में उच्च गुणवत्ता

वाले हाइड्रोपोनिक गांजे, कोकीन और बेहिसाब नकदी की बड़ी मात्रा जब्त की गई थी। जांच के दौरान सामने आया कि नविन चिचकर ने अपराध से अर्जित धन का एक हिस्सा क्रिप्टोकॉरसी में निवेश किया। यह भी पता चला कि मादक पदार्थों की बिक्री से प्राप्त रकम सीधे हवाला संचालकों के पास जमा की जाती थी। बाद में हवाला संचालक नविन चिचकर को यूएसडीटी या थाई बहत के रूप में भुगतान करते थे। तलाशी अभियान के दौरान ईडी ने कई आपत्तिजनक सामग्री, डिजिटल उपकरण और मादक पदार्थों की बिक्री से अर्जित धन के धनशोधन से जुड़े साक्ष्य बरामद किए।

आजम खान से जुड़े जौहर विश्वविद्यालय की 426.46 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

जिनका क्षेत्रफल करीब 34 एकड़ है, पर भी विश्वविद्यालय के लिए अवैध कब्जे का आरोप था। एजेंसी के अनुसार, संबंधित जमीन का पट्टा रद्द होने के बाद गृह मंत्रालय के शत्रु संपत्ति अभिरक्षक ने जिला प्रशासन के माध्यम से उसका कब्जा वापस ले लिया है।

जांच में ईडी ने पाया कि सरकारी कार्यों के लिए आवंटित धन विश्वविद्यालय के निर्माण में लगाया गया। सरकारी ठेके पाने वाले ठेकेदारों से धन ट्रस्ट को दान के रूप में वापस भेजे जाने का भी आरोप है। एजेंसी के अनुसार, एक कंपनी के प्रबंध निदेशक ने बताया कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के करीब 186 करोड़ रुपये के ठेकों में से 30 से 40 फीसदी राशि विश्वविद्यालय के निर्माण के लिए सामग्री खरीदने में इस्तेमाल की गई। एक अन्य फर्म के साझेदारों ने आजम खान के प्रभाव में काम करने

और ट्रस्ट को 40 लाख रुपये दान देने की बात स्वीकार की।

ईडी के मुताबिक, विश्वविद्यालय परिसर में विधायक और विधान परिषद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास निधि से 6.60 करोड़ रुपये के काम कराए गए। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश सरकार ने परिसर में पंडाल, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों के छात्रावास और अस्पताल ब्लॉक के निर्माण के लिए 23.41 करोड़ रुपये मंजूर किए थे। एजेंसी ने कहा कि पंडाल के निर्माण के लिए 2015 में मंजूर 12.16 करोड़ रुपये की राशि के साथ शर्त रखी गई थी कि उसका स्वामित्व संस्कृति विभाग के पास रहेगा और राज्य सरकार उसे नि:शुल्क इस्तेमाल कर सकेगी। हालांकि, 2016 में आदेश में बदलाव कर पंडाल का स्वामित्व विश्वविद्यालय को दे दिया गया और राज्य सरकार के इस्तेमाल की शर्त हटा दी गई।

कमलादेवी चट्टोपाध्याय एनआईएफ बुक प्राइज की लघु सूची में पांच पुस्तकें शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली



न्यू इंडिया फाउंडेशन (एनआईएफ) ने कमलादेवी चट्टोपाध्याय एनआईएफ बुक प्राइज 2026 के लिए पांच पुस्तकों की लघु सूची घोषित की है। वर्ष 2025 में प्रकाशित इन पुस्तकों में आधुनिक और समकालीन भारत के इतिहास, सिंधान निर्माण, स्वतंत्रता के बाद देश के विकास और एशिया के विभाजन जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया है। लघु सूची में राजनेताओं, राजनिकों और हिंदुस्तानी सीगीत से जुड़ी ऐतिहासिक शख्सियतों के जीवन पर आधारित पुस्तकें भी शामिल हैं। वर्ष 2026 के पुरस्कार के लिए गठित निर्णायक मंडल में टाटा संस और टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन, राजनीति विज्ञानी नीरजा गोपाल राजाल, ट्राइलीनल के साझेदार राहुल माथन, विज्ञान इतिहासकार जाह्नवी फालके, इतिहासकार श्रीनाथ

राघवन, भारत की पूर्व विदेश सचिव निरुपमा राव और उद्यमी मनीष सभरवाल शामिल थे।

निर्णायक मंडल की अध्यक्ष नीरजा गोपाल जयाल ने लघु सूची पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि पांचों पुस्तकें भारत को समझने के लिए गहन और कल्पनाशील कथेपर लेखन के महत्व को दर्शाती हैं। ये पुस्तकें देश के अनुभवों के महत्वपूर्ण पहलुओं को सामने लाने में असाधारण हैं। लघु सूची में विद्वता और विषयों की व्यापकता भी उल्लेखनीय है।

72 कॉल में से दो-दो कॉल ड्रॉप हुईं, जबकि जियो और वोडाफोन आइडिया में कोई कॉल ड्रॉप दर्ज नहीं हुई। सिमनल की उपलब्धता के परीक्षण में बीएसएनएल के नेटवर्क में कमजोर सिमनल वाले नमूनों का अनुपात अन्य कंपनियों की तुलना में अधिक रहा। गोंडा में बीएसएनएल के 16,823 नमूनों में से 7,289, बहराइच में 19,472 में से 11,807 और बलरामपुर में 7,994 में से 3,271 नमूनों में सिमनल निर्धारित न्यूनतम स्तर से कम पाया गया।

ट्राई ने नेटवर्क कवरेज, कॉल ड्रॉप, कॉल के दौरान अवाज बाधित होने और इंटरनेट की डाउनलोड तथा अपलोड गति जैसे मानकों का आकलन किया। परीक्षण में जिला अदालत और जिला अस्पतालों, बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों तथा गोंडा के राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज जैसे प्रमुख स्थानों को भी शामिल किया गया।

और खिलाड़ियों का जर्जर मानने के लिए एक साथ और देखना हमेशा सख्त होता है। प्रीमियर लीग पार्क को ऐसे साझा अनुभव उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। सप्ताहांतर में प्रशंसकों की प्रतिक्रियाएं उत्साहजनक रही हैं और हम पूरे वर्ष अधिक से अधिक प्रशंसकों का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।” भारत में अपनी तरह का पहला केंद्र बनता जा रहा प्रीमियर लीग पार्क को गोलटेक इन्वेंशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने अपने बेकग्राउंडसुस ब्रांड के माध्यम से विकसित और संचालित किया है। यह पहल भारत में फुटबॉल प्रशंसकों से जुड़ने और उन्हें पूरे वर्ष इस खेल का अनुभव लेने के अधिक अवसर उपलब्ध कराने की प्रीमियर लीग की व्यापक योजना का हिस्सा है।



करवाचौथ का सबसे जरूरी और विशेष नियम है कि विधि-विधान के साथ पूजा करने के बाद रात्रि में चंद्रदेव की पूजा और उन्हें अर्घ्य जरूर दें। साथ ही करवाचौथ की कथा सुनने के साथ ही भगवान शिव, माता पार्वती, कार्तिकेय, गणेश जी की पूजा भी जरूर

करवाचौथ व्रत का पूजा

करवाचौथ व्रत की विशेष पूजा की व्यवस्था के लिए मंदिर इस तरह से लगाना चाहिए कि पूजा करते समय आपका मुख पूर्व दिशा की ओर रहे और पीठ पश्चिम दिशा में रहे। इसका अर्थ यह है कि करवा माता का मंदिर भी पूर्व दिशा में स्थापित करें। करवाचौथ व्रत की पूजा या फिर किसी भी मांगलिक कार्य की पूजा को पूर्व दिशा की तरफ मुख करके ही करना चाहिए।



एक्ट्रेस प्रिया ठाकुर ने टीवी शो 'वसुधा' के बारे में दी अपडेट

टीवी एक्ट्रेस प्रिया ठाकुर इन दिनों अपने शो 'वसुधा' में देव और वसुधा की शादी के ट्रैक को लेकर एक्साइटेड हैं। जी टीवी के इस शो में दोनों की जिंदगी एक नया मोड़ लेने जा रही है। खास बात यह है कि इस बार वसुधा को चंद्रिका की मंजूरी भी मिल रही है। शो में देव का किरदार अभिषेक शर्मा निभा रहे हैं, जबकि वसुधा के रोल में प्रिया ठाकुर नजर आ रही हैं। शादी के इस ट्रैक को लेकर प्रिया ने बताया कि पर्दे पर दुल्हन बनना उन्हें हमेशा पसंद रहा है, हालांकि भारी लहंगे, जुलरी और घंटों तक शूटिंग करना आसान नहीं होता। शो में देव और वसुधा की शादी पहले भी हो चुकी है, लेकिन इस बार उनकी शादी का मतलब दोनों के लिए काफी अलग है। इसकी सबसे बड़ी वजह चंद्रिका का वसुधा को अपनी बड़ी बहू के रूप में स्वीकार करना है। दर्शक लंबे समय से इस पल का इंतजार कर रहे थे और अब पूरे परिवार को दोनों के रिश्ते का जश्न मनाते देखना उनके लिए खास होगा।

शादी के ट्रैक के बारे में बात करते हुए प्रिया ने कहा, 'दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे कि चंद्रिका वसुधा को अपनी बड़ी बहू के रूप में स्वीकार करें। मुझे लगता है कि यही बात इस शादी को खास बनाती है। भले ही देव और वसुधा की पहले भी शादी हो चुकी है, लेकिन इस बार चंद्रिका की मंजूरी और आशीर्वाद के साथ पूरा परिवार उनके रिश्ते का जश्न मना रहा है। सभी को उनके लिए खुश होते देखना हमारे लिए भी खास पल है और उन फैसले के लिए भी, जो लंबे समय से देव और वसुधा को इस तरह एक होते देखना चाहते थे।' प्रिया ने कहा, 'शो में शादी से जुड़े कई शानदार फंक्शन दिखाए गए हैं और यह उन सभी फैसले के लिए एक छोटा सा तोहफा है, जिन्होंने देव और वसुधा के सफर में उनका साथ दिया है। शादी के ट्रैक की शूटिंग हमेशा मजेदार होती है, लेकिन इसके साथ कई चुनौतियां भी आती हैं। भारी कपड़े, जुलरी और सेट पर लंबे समय तक काम करना आसान नहीं होता। मुझे स्क्रीन पर दुल्हन बनना हमेशा पसंद रहा है।



म्यूजिकल लव स्टोरी में बनी आदित्य रॉय कपूर और तारा सुतारिया की जोड़ी

बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर और अभिनेत्री तारा सुतारिया जल्द ही बड़े पर्दे पर स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आने वाले हैं। दोनों फिल्म निर्माता भूषण कुमार की आगामी इंटेंस म्यूजिकल लव स्टोरी में लीड रोल प्ले करते हुए दिखाई देंगे। इस फिल्म का निर्देशन मिलाप मिलन जावेरी करेंगे। वहीं, शिव चानना को-प्रोड्यूसर के तौर पर फिल्म से जुड़े हैं। बता दें कि यह फिल्म प्यार, भावनाओं और संगीत से भरपूर होने वाली है। खास बात यह है कि दर्शकों को आदित्य और तारा की नई ऑनस्क्रीन जोड़ी देखने को मिलेगी।

पहली बार साथ नजर आएंगे आदित्य और तारा

आदित्य रॉय कपूर बॉलीवुड में अपनी रोमांटिक फिल्मों के लिए खास पहचान रखते हैं। 'आशिकी 2' जैसी फिल्म में उनके अभिनय और रोमांटिक अंदाज को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। वहीं तारा सुतारिया भी अपनी खूबसूरती, अभिनय और स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जानी जाती हैं। ऐसे में दोनों को एक इंटेंस म्यूजिकल लव स्टोरी में साथ देखना दर्शकों के लिए दिलचस्प होगा।

टी-सीरीज के साथ तारा का तीसरा प्रोजेक्ट

इस प्रोजेक्ट में तारा 'मरजावा' के बाद भूषण कुमार और मिलाप मिलन जावेरी के साथ फिर से काम कर रही हैं। उन्होंने पहले भी टी-सीरीज के साथ 'एक विलेन रिटर्न्स' में काम किया

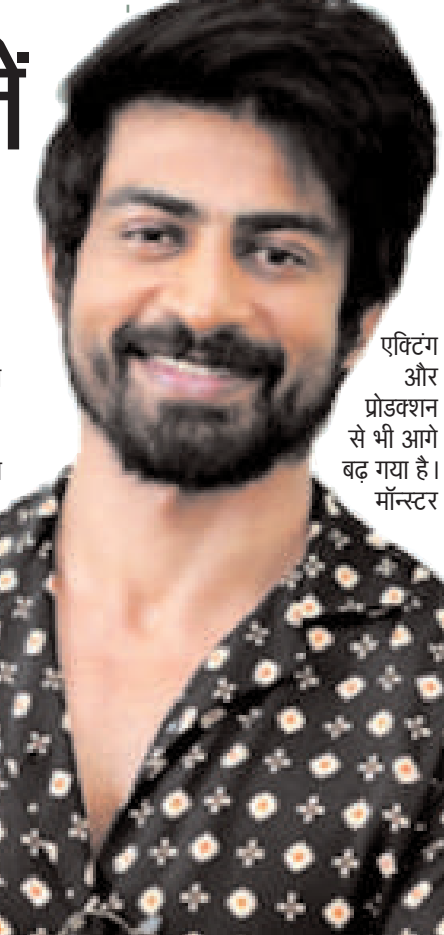


साइकोलॉजिकल थ्रिलर 'जॉन डो' में अर्जुन दास निभाएंगे 'चंद्र' का किरदार

तमिल सिनेमा के उभरते सितारे अर्जुन दास निर्देशक मधुमिता की आगामी साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'जॉन डो' में 'चंद्र' नाम का किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म निर्माताओं ने इसका खुलासा किया। अर्जुन दास ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म से जुड़ा अपना फर्स्ट लुक पोस्टर साझा करते हुए लिखा, 'नान पोधुमा? (क्या मैं पर्याप्त हूँ?)' यह एक सवाल है जो चंद्र को लगातार परेशान करता है। शायद यह वह सवाल है जो हम सभी ने कभी न कभी खुद से पूछा है। उसकी तलाश में कहीं न कहीं मुझे खुद का भी एक हिस्सा मिला। 'जॉन डो' की दुनिया के चंद्र से मिलिए। यह फिल्म नवंबर में आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी।' उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म का लेखन और निर्देशन मधुमिता ने किया है। फिल्म का निर्माण अर्का मीडिया वर्क्स ने किया है और इसे एजीएस सिनेमाज प्रस्तुत कर रही है। फिल्म में संचना नटराजन मुख्य

अभिनेत्री की भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा श्रुति, जारा विनीत चांधोके और निरव भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म को लेकर दर्शकों और सिनेप्रेमियों में कई कारणों से उत्सुकता बनी हुई है। सबसे खास बात यह है कि अर्जुन दास अपने करियर में पहली बार एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा फिल्म का निर्माण अर्का मीडिया वर्क्स कर रही है, जिसने पैन इंडिया ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बाहुबली' का भी निर्माण किया था। फिल्म को शोभू यारलागुड और प्रसाद देविनेनी प्रोड्यूस कर रहे हैं। किशोर केदारी और मधुमिता इसके सह निर्माता हैं, जबकि सौम्या शर्मा क्रिएटिव प्रोड्यूसर की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। फिल्म की तकनीकी टीम भी काफी मजबूत मानी जा रही है। इसका संगीत प्रसिद्ध संगीतकार मुजीब माजीद ने तैयार किया है, जबकि अतिरिक्त संगीत द आर्टिस्ट 404 ने दिया है। फिल्म की कहानी

और पटकथा मधुमिता और निकोलस शेवेलियर ने मिलकर लिखी है। सिनेमेटोग्राफी प्रीथा जयरामन ने की है और संपादन विजय वेंकटरमणन ने संभाला है। फिल्म के एक्शन सीक्वेंस दिनेश सुब्बारायन और एक्शन संतोष ने तैयार किए हैं। प्रिया करन और प्रिया हेरी ने कॉस्ट्यूम डिजाइन किए हैं, जबकि अश्विनी काले ने प्रोडक्शन डिजाइन का काम संभाला है। सूत्रों के अनुसार, फिल्म लगभग तैयार है और निर्माता इसे इस साल नवंबर में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।



एक्टिंग और प्रोडक्शन से भी आगे बढ़ गया है। मॉन्स्टर

माइंड क्रिएशंस का डिस्ट्रीब्यूशन विंग कर्नाटक में इस मेगा प्रोजेक्ट की रिलीज की कमान संभालने जा रहा है। यानी यश अब सिर्फ अपनी दमदार मौजूदगी से दर्शकों को दीवाना नहीं बनाएंगे, बल्कि अपनी कंपनी के जरिए इस महागाथा को कर्नाटक के दर्शकों तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभाएंगे। डिस्ट्रीब्यूशन विंग की शुरुआत के साथ मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस ने प्रोडक्शन से आगे बढ़ते हुए अपने बिजनेस का दायरा बढ़ाया है। भारतीय सिनेमा के सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में शामिल 'रामायण' को बड़े पैमाने पर दर्शकों तक पहुंचाने की दिशा में यह एक अहम कदम है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही 'रामायण' भारतीय महाकाव्य की दो हिस्सों में पेश की जाने वाली भव्य सिनेमाई गाथा है। शानदार स्टारकास्ट और बड़े स्कैल पर तैयार हो रही यह फिल्म सदियों पुरानी कहानी को नए सिनेमाई अंदाज में बड़े पर्दे पर जीवंत करने के लिए तैयार है। फिल्म की रिलीज को देश और दुनिया के अलग-अलग बाजारों में पहुंचाने के लिए बड़ी जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इंटरनेशनल डिस्ट्रीब्यूशन की कमान सोनी पिक्चर्स संभालेगा, जबकि करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस उत्तर भारत में फिल्म को रिलीज करेगी। दिल राजू आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की जिम्मेदारी संभालेंगे, वहीं कर्नाटक में मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस का डिस्ट्रीब्यूशन विंग मोर्चा संभालेगा।

उदित सिंह के साथ रिश्ते को शादी तक ले जाना चाहते थे करण वाही

बिग बॉस 20 में उदित सिंह लगातार एक्टर करण वाही के साथ अपने पुराने रिश्ते को लेकर बात करती रहती हैं। वह शो में अपने ब्रेकअप की वजह भी बता चुकी हैं। साथ ही, उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि करण ने उनके साथ बुरा बर्ताव किया था और उनके डॉंगी को भी गलत तरीके से ट्रीट किया था। अब करण वाही ने इस पूरे मामले पर खुद चुप्पी तोड़ी है। एक्टर ने चौकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि वह इस रिश्ते को शादी तक ले जाना चाहते थे। करण ने उन अटकलों पर भी विराम लगाया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि ब्रेकअप से पहले दोनों की शादी होने वाली थी।

करण वाही ने बातचीत में उदित सिंह के साथ अपने रिश्ते और ब्रेकअप की वजह पर बात की। उन्होंने बताया कि जब दोनों ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया, तब वह करीब 33 साल के थे और जिंदगी के उस पड़ाव पर थे, जहां किसी रिश्ते में आने से पहले उसके भविष्य के बारे में सोचना जरूरी मानते थे। करण के मुताबिक, वह इस रिश्ते को शादी तक ले जाने के इरादे से आगे बढ़े थे, लेकिन इसका मतलब यह नहीं था कि दोनों की शादी की तारीख या कोई पक्की योजना तय हो चुकी थी।

शादी का इरादा था, लेकिन कोई पक्की योजना नहीं थी

करण वाही ने बताया कि उदित को डेट करते समय उनके मन में शादी का विचार था। उन्होंने कहा, 'जब मैंने उन्हें डेट करना शुरू किया, तब मैं 33-34 साल का था। इसलिए, मैं ऐसी उम्र में था जहां मेरा सोचना था कि अब अगर मैं किसी रिश्ते में आता हूँ, तो वह शादी में बदलना चाहिए। वरना, मुझे ऐसा कोई रिश्ता नहीं चाहिए।' करण ने यह भी स्पष्ट किया कि उनके रिश्ते को लेकर शादी की योजना बनने की खबरें सही नहीं थीं। लॉकडाउन के दौरान दोनों ने साथ समय बिताया था और अपने भविष्य को लेकर बातचीत भी की थी, लेकिन इसे शादी तय होने के रूप में देखना गलत होगा। एक्टर ने कहा कि उनका इरादा रिश्ते को शादी तक ले जाने का था, जिसे लोगों ने शायद इस तरह समझ लिया कि दोनों जल्द शादी करने वाले थे।

करण वाही ने ब्रेकअप की वजह पर की बात

उदित सिंह से अलग होने के कारण पर बात करते हुए करण ने कहा कि दोनों एक-दूसरे के साथ उतने

अनुकूल नहीं थे। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि हम एक-दूसरे के साथ उतने कम्पैटिबल नहीं थे। कम से कम मेरे लिए तो यही सच है।' करण ने उन अटकलों को भी खारिज किया कि उनके माता-पिता के दखल में आपत्ति की वजह से रिश्ता खत्म हुआ था। दोनों की उम्र में करीब 10 साल का अंतर भी उनके रिश्ते को लेकर चर्चा का विषय रहा था, लेकिन करण ने इसे ब्रेकअप की वजह साफ नहीं की।

उदित के लिए मन में नहीं है कड़वाहट

करण वाही ने बातचीत में यह भी साफ किया कि उदित से अलग होने के बाद उनके मन में कोई कड़वाहट नहीं है। भले ही उनका रिश्ता शादी तक नहीं पहुंच पाया, लेकिन वह बीते समय को लेकर कोई शिकायत नहीं रखते। करण ने उदित के प्रति सकारात्मक भाव जाहिर करते हुए कहा कि वह उनके लिए खुश हैं। करण के इस बयान के बाद उनके और उदित के रिश्ते को लेकर चल रही चर्चाओं में एक नया पहलू सामने आया है। एक्टर ने स्पष्ट किया कि रिश्ता शादी के इरादे से शुरू हुआ था, लेकिन दोनों के बीच अनुकूलता की कमी के कारण वह आगे नहीं बढ़ पाया।

